RNI. MPHIN/2016/68439

“अगर किसी ने अच्छे न खाया हो, तो वह न ठीक से सोच सकता है, न ही प्रेम कर सकता है, न सो सकता है।”
वर्जिनिया वुल्फ

दैनिक मेल पॉवर

पेज 4

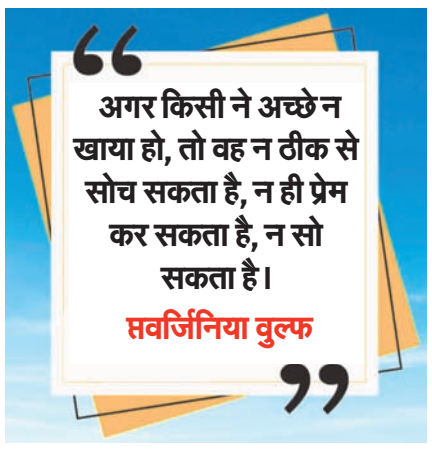

भोपाल, शनिवार 23 अगस्त 2025
वर्ष- 10 | अंक-85 | पेज-8 | आमंत्रण मूल्य -1 रुपए | राजधानी भोपाल से प्रसारित

पीएम मोदी उत्तर गुजरात में 307 करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण- शिलान्यास

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 25 व 26 अगस्त को गुजरात की यात्रा पर आ रहे हैं। इस दौरान वे अहमदाबाद, गांधीनगर तथा मेहसाणा को विभिन्न विभागों के अंतर्गत करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की भेंट देंगे। इनमें सड़क एवं भवन विभाग की कुल 307 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास शामिल है, जिससे उत्तर गुजरात में कनेक्टिविटी और मजबूत बनेगी।

इन्फ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड होगा, समय व ईंधन की बचत होगी

मेहसाणा, गांधीनगर तथा अहमदाबाद जिलों से गुजरने वाले विभिन्न सड़क मार्गों पर व्हीकल अंडरपास, रेलवे ओवरब्रिज तथा नवीनीकरण कार्यों से दैनिक आवाजाही करने वाले वाहन चालकों की सुरक्षा एवं सुगमता में वृद्धि होगी। इस सुविधा से यात्रा समय तथा ईंधन की बचत होगी। गांधीनगर में आकार ले रहे फिन-टेक हब गिफ्ट सिटी तक सरल एवं तेज कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। थोळ अभयारण्य जैसे पर्यटन स्थलों पर आने वाले पर्यटकों को सुगमता होगी। अपग्रेड हुए इन्फ्रास्ट्रक्चर के कारण राज्य में औद्योगिक एवं परिवहन क्षेत्र को प्रोत्साहन मिलेगा।

गुजरात के नागरिकों को दैनिक परिवहन के लिए मिलेगा अधिक सुदृढ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उत्तर गुजरात में सड़क एवं भवन विभाग की कुल 6 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास करेंगे। कुल 307 करोड़ रुपए की लागत वाले लोकार्पण व शिलान्यास के ये कार्य गुजरात की प्रजा को दैनिक यातायात के लिए अधिक सुदृढ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदान करेंगे। इन परियोजनाओं के अंतर्गत उत्तर गुजरात को अपग्रेडेड सड़कें, अंडरपास, ओवरब्रिज मिलेंगे; जो नागरिकों के लिए यात्रा सुरक्षा तथा सुगमता में वृद्धि करेंगे।

विरमगाम-खुडद-रामपुरा सड़क चौड़ी होने से औद्योगिक क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विरमगाम-खुडद-रामपुरा सड़क को 7 मीटर चौड़ी बनाने के कार्य का लोकार्पण करेंगे। 33 करोड़ रुपए की लागत से विरमगाम से खुडद होकर रामपुरा तक के 21 किलोमीटर की इस सड़क को 7 मीटर चौड़ा किया गया है। यह महत्वपूर्ण कॉरिडोर अहमदाबाद जिले की विरमगाम व देत्रोज तहसीलों के औद्योगिक क्षेत्र के विकास को गति देगा। इस विकास कार्य के साथ परिवहन सुगम बनेगा तथा आसपास के क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

प्रधानमंत्री 274 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे

प्रधानमंत्री उत्तर गुजरात के अहमदाबाद, मेहसाणा एवं गांधीनगर जिलों में कुल 274 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इनमें अहमदाबाद-मेहसाणा-पालनपुर रोड पर तीन छह-मार्गीय व्हीकल अंडरपास (126 करोड़ रुपए), अहमदाबाद-विरमगाम रोड पर स्थित फाटक नं. 40 पर रेलवे ओवरब्रिज (70 करोड़ रुपए), कडी-थोळ होकर साणंद तक के 24 किलोमीटर लंबे सड़क मार्ग के नवीनीकरण के कार्य (45 करोड़ रुपए) तथा गिफ्ट सिटी में बापा सीताराम जंक्शन का चार-लेन से आठ-लेन रोड में विस्तार (33 करोड़ रुपए) शामिल हैं।

न्यूज. ब्रीफ

मुस्लिम युवक संत प्रेमानंद को किडनी देने की पेशकश

इटारसी। वृंदावन के संत प्रेमानंद जी महाराज इन दिनों किडनी की बीमारी से ग्रसित हैं। उनका डायलिसिस चल रहा है। यह जानकर आरिफ खान चिश्ती जो इटारसी में रहता है। उसने श्रद्धा भाव से अपनी एक किडनी संत प्रेमानंद महाराज को देने की इच्छा जताई है। इसका एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। इस युवक का कहना है, संत प्रेमानंद जैसे महाराज का रहना समाज के लिए बहुत जरूरी है।वह सभी को जोड़ने का काम करते हैं। ऐसे संत मिलना दुर्लभ है। आरिफ ने 6 महीने पहले मोबाइल पर प्रेमानंद महाराज का प्रवचन सुना था। उसके बाद से वह उनका मुरीद हो गया। उल्लेखनीय है, संत प्रेमानंद जी महाराज की दोनों किडनी खराब है। उनका डायलिसिस चल रहा है। इस मुस्लिम युवक ने अपनी किडनी दान करने की इच्छा जताकर इस नफरत भरे माहौल में एक नया दिया जलाया है। जिसकी प्रशंसा सभी ओर हो रही है।

डाक विभाग के तीन अधिकारियों को कठोर कारावास कि सजा

जबलपुर। सीबीआई की विशेष अदालत ने डाक विभाग के तीन अधिकारियों को भ्रष्टाचार और हेराफेरी के आरोप में 5 साल और 4 साल के कठोर कारावास तथा 39000 जुमार्न की सजा से दंडित किया है। इस घोटाले में सरकारी खजाने को 1.21 करोड रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ। विशेष अदालत ने सागर जिले के बीना उप डाकघर के डाकपाल विशाल कुमार अहिरवार को 5 साल तथा विशाल के सहयोगी हेमंत सिंह और रानू नामदेव को चार-चार साल की सजा से दंडित किया है। 1 जनवरी 2020 से 5 जुलाई 2021 के बीच में इन्होंने डाकघर के बचत खातों में हेरा फेरी की थी।

कर्मचारी बीमा योजना में 1500 रुपए से कम पेंशन

नई दिल्ली। मानसून सत्र में संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के तहत 81 लाख 48490 कर्मचारियों को पेंशन दी जा रही है। यह पेंशन 1000 रुपए से 1500 रुपए के बीच है। केवल 53541 कर्मचारियों को 6 हजार से ज्यादा पेंशन प्राप्त हो रही है। संसद मे कर्मचारी पेंशन योजना के अंतर्गत करोढों कर्मचारी सेवा निवृत, पिछले कई वर्षों में हुए हैं। उन्हें पेंशन नहीं दी जा रही है।जिन 81 लाख कर्मचारियों को पेंशन मिल रही है। वह भी ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। 1000 से 1500 रुपए के बीच ही उन्हें पेंशन मिल रही है। संसद में जो खुलासा हुआ है।

यूपी में हर व्यक्ति पर चढ़ा 37,500 रुपए का कर्ज

लखनऊ। यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार प्रदेश को एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था के टार्गेट के साथ लगातार आगे बढ़ रही हैं। इसके लिए प्रदेश में बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास पर काम किया जा रहा है। लेकिन इन तमाम बातों के बीच यूपी पर साल दर साल कर्ज भी बढ़ता जा रहा है। जिसके चलते यूपी का हर शख्स कर्ज में डूबा है, वो भी एक या दो हजार नहीं बल्कि 37,500 रुपए का ऋणी है। यूपी पर पिछले पांच साल में छह लाख करोड़ से बढ़कर नौ लाख करोड़ रुपए उधार होने का अनुमान है। राज्य वित्त आयोग के अनुसार, राज्य को राजस्व में 2.97 फीसदी घाटा हो रहा है।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट

हटाए गए वोटर्स को सूची में अपना नाम जुड़वाने की अनुमति दें

- आधार कार्ड सहित फॉर्म 6 में दिए गए 11 दस्तावेज में से कोई भी जमा कर सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बिहार में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर (सामान्य शब्दों में मतदाता सूची में सुधार) पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग (ईसीआई) को निर्देश दिया कि वे हटाए गए वोटर्स को सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए फिजिकली के अलावा ऑनलाइन आवेदन की अनुमति भी दे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आधार कार्ड सहित फॉर्म 6 में दिए गए 11 दस्तावेज में से कोई भी जमा किया जा सकता है, इसमें ड्राइविंग लाइसेंस, पासबुक, पानी का बिल जैसे डॉक्यूमेंट शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों को मामले पर चुप्पी साधने पर फटकार लगाकर पूछा कि मतदाताओं की मदद के लिए आप क्या कर रहे हैं। आपको आगे आना चाहिए। अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से कई सवाल पूछे। जस्टिस सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कहा कि राजनीतिक दलों की निष्क्रियता हैरान करने वाली है। राज्य की 12 दलों में से यहां मात्र 3 पार्टियां ही कोर्ट में आई हैं। वोटर्स की मदद के लिए आप क्या कर रहे हैं। कोर्ट ने इस पर हैरानी जाहिर कि राजनीतिक दलों के करीब 1.6 लाख बूथ लेवल एजेंट होने के बावजूद, उनकी ओर से केवल दो आपत्तियां ही आई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान बड़ा आदेश देकर मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अनुमति दी है। फॉर्म को फिजिकली जमा करना जरूरी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फॉर्म 6 में दिए गए 11 दस्तावेज (जैसे ड्राइविंग लाइसेंस, पासबुक, पानी का बिल आदि) में से कोई भी या आधार कार्ड जमा किया जा सकता है।

राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का शुभारंभ मध्यप्रदेश से हुआ

मध्यप्रदेश को बना रहे हैं देश का नया फूड बॉस्केट : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल के बाद हम जबलपुर और ग्वालियर में भी मेट्रो रेल चलाने के लिए आगे बढ़ेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बीते 20 सालों में मध्यप्रदेश का परिदृश्य बड़ी तेजी से बदला है। हम मध्यप्रदेश को देश का 'मॉडल स्टेट' बनाने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। हमारी सरकार मध्यप्रदेश को देश का 'न्यू फूड बॉस्केट' बनाने के लिए तेजी से प्रयत्नशील हैं। हमारे अन्नदाता किसानों की मेहनत से प्रदेश के अनाज भंडार अन्न से भरे पड़े हैं। मध्यप्रदेश वह प्रदेश है, जहां तेजी से जिलों में मैडिकल कॉलेज खुल रहे हैं। हमारी सरकार पीपीपी मॉडल पर मैडिकल कॉलेज खोलने के लिए निवेशकों को मात्र एक रूपए में 25 एकड़ जमीन और 10 साल के लिए अपना जिला-संभागीय अस्पताल भी देने को तैयार है। निवेशक मेडिकल कॉलेज के लिए जब अपना खुद का अस्पताल तैयार कर लेंगे, तब 10 साल बाद हम अपना जिला चिकित्सालय उनसे वापस ले लेंगे। यह निवेशकों को सरकार की ओर से दोहरी मदद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को नई दिल्ली में एक निजी मीडिया समूह द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का शुभारंभ मध्यप्रदेश से हुआ। करीब एक लाख करोड़ रूपए की केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से बुंदेलखंड के सारे जिले और लगभग 70 हजार करोड़ रूपए लागत की पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना से मालवा और चंबल के सभी जिलों में सिंचाई और पेयजल की स्थाई सुविधा उपलब्ध कराएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हम आगे बढ़ रहे हैं। सिंहस्थ-2028 की तैयारी पूरे जोर-शोर से जारी है। श्रीमहाकाल लोक बनने के बाद उज्जैन की तस्वीर ही बदल गई है। उज्जैन शहर की आबादी फिलहाल 7 लाख है, पर अब देश-विदेश से हर साल 7 करोड़ से भी अधिक श्रद्धालु श्रीमहाकाल बाबा और श्रीमहाकाल लोक के दर्शन के लिए उज्जैन आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्री महाकाल लोक बनने के बाद उज्जैन शहर में ही 200 से अधिक होटल खुल गये हैं, इससे शहर और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी गति मिली है।

आरएसएस के शताब्दी समारोह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनेंगे पूर्व राष्ट्रपति कोविंद

- विजयदशमी के मौके पर 2 अक्टूबर, 2025 को नागपुर में आयोजित होगा

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अपने शताब्दी समारोह कार्यक्रम के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को मुख्य अतिथि बनाया है। समारोह विजयदशमी के मौके पर 2 अक्टूबर, 2025 को नागपुर में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में कोविंद के साथ आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी मौजूद रहने वाले है। आरएसएस की ओर से बताया गया कि यह कार्यक्रम रेशिमबाग, नागपुर में सुबह 7:40 बजे होगा। आरएसएस ने अपनी स्थापना के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए इस समारोह का आयोजन किया है। संघ की स्थापना 1925 में विजयदशमी के दिन ही हुई थी। तब से संगठन हर साल इसी दिन अपना मुख्य कार्यक्रम आयोजित करता है। नागपुर में आरएसएस का मुख्यालय है और यह भाजपा का वैचारिक संगठन है। यह दूसरी बार होगा जब कोई पूर्व राष्ट्रपति आरएसएस के कार्यक्रम में शामिल होगा। इससे पहले, पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी 2018 में नागपुर स्थित संघ मुख्यालय में एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। पिछले साल, इसरो के पूर्व चीफ के. राधाकृष्णन आरएसएस के विजयदशमी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। कोविंद 2017 से 2022 तक भारत के राष्ट्रपति रहे। उनके कार्यकाल के दौरान, आरएसएस ने कई कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी की सराहना की। समारोह में उनकी उपस्थिति से आरएसएस को अपनी 100वीं वर्षगांठ मनाने में एक और बड़ा नाम मिलेगा, जिससे इस आयोजन को और भी अधिक महत्व मिलेगा।

सीएम रेखा गुप्ता के कार्यक्रम में घुसा शख्स

विधायक के खिलाफ करने लगा नारेबाजी

नई दिल्ली। जनसुनवाई में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हमले के बाद फिर उनके कार्यक्रम में बड़ी घटना हुई है। शुक्रवार को गांधीनगर में कार्यक्रम के दौरान शख्स उनके कार्यक्रम में घुसा और खूब नारेबाजी की। घटना तब की है, जब गांधीनगर विधानसभा के विधायक अरविंदर सिंह लवली कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सीएम रेखा गुप्ता भी कार्यक्रम में मौजूद थीं। तभी शख्स कार्यक्रम में घुसा और नारेबाजी करने लगा। हालांकि पुलिस ने शख्स को हिरासत में लिया है। शख्स की पहचान अजीत नगर निवासी प्रवीण शर्मा के तौर पर हुई है। वह 60 साल का है। उसका अजीत नगर में टीवी केबल का बिजनेस भी है। शख्स ने दावा किया है कि वह बीते 40 सालों से बीजेपी का कार्यकर्ता है। जानकारी के मुताबिक विधायक लवली जब कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, तभी प्रवीण शर्मा वहां पहुंचा और विधायक के खिलाफ नारेबाजी करने लगा। शाहदरा के डीसीपी ने बताया कि आरोपी प्रवीण शर्मा बैरिकेड्स के पीछे और एक गली में ही था। यहां से शख्स को तुरंत पकड़ कर हटा दिया गया। किसी भी समय वीआईपी की सुरक्षा का उल्लंघन नहीं किया गया। बात दें कि सीएम रेखा गुप्ता पर जनसुनवाई के दौरान हमला हुआ था। आरोपी राजेशभाई खिमजी ने बताया था कि उसने पहले आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में शिफ्ट करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ रामलीला मैदान में प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। यह योजना सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे द्वारा भ्रष्टाचार के मुद्दे पर किए गए आंदोलन की तर्ज पर थी।

लावारिस कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से खुश हुए राहुल गांधी ने कहा

फैसले से पशु कल्याण और जन सुरक्षा में संतुलन स्थापित हो सकेगा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लावारिस कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के नए फैसला का स्वागत किया है। शीर्ष अदालत ने अपनी ही बेंच के दो जजों के फैसले को पलटकर इसतरह के कुत्तों को शेल्टर होम से निकालने का आदेश दिया है, जिनका टीकाकरण हुआ और नसबंदी हुई है। शीर्ष अदालत का कहना है कि उन कुत्तों को वहीं छोड़ दिया जाए, जहां से उन्हें उठाया गया था। अब फैसले का तमाम कुत्ता प्रेमियों ने स्वागत किया है। इसके अलावा कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि अदालत का यह फैसला प्रगतिशील है। इस फैसले से पशु कल्याण और जन सुरक्षा के बीच एक संतुलन स्थापित हो सकेगा।

भोपाल-लखनऊ के बीच दौड़ेगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

सफर होगा 6 से 8 घंटे में पूरा

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल और उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बीच जल्द ही यात्रियों को वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की सौगात मिलने जा रही है। अब तक चल रही अधिकांश वंदे भारत ट्रेनें केवल सिटिंग कोच वाली हैं, लेकिन इस बार यात्री सफर के दौरान सोकर भी यात्रा का आनंद ले सकेंगे। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, भोपाल-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस को अक्टूबर माह में हरी झंडी दिखाई जा सकती है।

यात्रियों को मिलेगा फायदा

अभी भोपाल से लखनऊ तक का सफर 10 से 12 घंटे में पूरा होता है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन यह दूरी सिर्फ 6 से 8 घंटे में तय करेगी। इसमें 20 कोच होने से अधिक यात्री सफर कर पाएंगे।

शाह का राहुल गांधी पर तंज

जब से मुखिया बने हैं, संवैधानिक संस्थाओं को शक की नजर से देख रहे

कोच्चि। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कोच्चि में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर संवैधानिक संस्थाओं को मान न देने का आरोप लगाया। केंद्रीय गृहमंत्री शाह आगामी महत्वपूर्ण स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर भाजपा के राज्य नेतृत्व को तैयार करने हेतु कोच्चि के एक दिवसीय दौरे पर हैं। शाह ने बताया कि देश को नुकसान पहुंचाने वाली स्थितियां पिछली सत्ता की देन है। उन्होंने कहा, जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण देश के लिए नासूर बना चुका है। 2014 में नरेंद्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद इन तीनों की जगह पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस की शुरूआत हुई है और इस पूरा देश अनुभव कर रहा है। करप्शन को दूर करने का प्रयास देश के पीएम मोदी ने किया है। चूंकि स्थिरता है, इसलिए लंबे समय तक नीतियां चल रही हैं। आज 140 करोड़ लोग मानते हैं कि 2047 में भारत टॉप पर होगा और इस लेकर उनके मन में कोई संदेह नहीं है। वहीं, राहुल गांधी को लेकर पूछे सवाल पर शाह ने कहा कि जब से मुखिया बने हैं तब से संवैधानिक संस्थाओं को शक की नजर से देख रहे हैं। अभी जो एसआईआर हो रहा है, वहां एसआईआर 2003 में भी हुआ था, 1961 में भी हुआ था और 1970 में भी हुआ था।

शाह ने यू ही नहीं लचा को बनाया दिल्ली पुलिस का प्रमुख

शोपियां मामले में बनी ताकतवर छवि

नई दिल्ली। 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी सतीश गोलचा ने शुक्रवार को दिल्ली पुलिस आयुक्त का पदभार ग्रहण किया। वे दिल्ली के 26वें पुलिस आयुक्त बने हैं। उनका कार्यकाल अप्रैल 2027 तक रहेगा। बता दें कि एसबीके सिंह का कार्यकाल सबसे छोटा रहा और इसमें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला और वीवीआईपी क्षेत्र में चैन झपटमारी जैसी घटनाएं सुर्खियों में रहीं। हालांकि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि गोलचा की नियुक्ति का सीधा संबंध इन घटनाओं से नहीं है, लेकिन यह बदलाव संकेत देता है कि केंद्र सरकार दिल्ली की कानून-व्यवस्था पर अतिरिक्त गंभीरता दिखाना चाहती है। गोलचा को कठिन परिस्थितियों में काम करने का भरपूर अनुभव है। दिल्ली पुलिस में वे कानून-व्यवस्था के विशेष पुलिस आयुक्त और अपराध शाखा के प्रमुख रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश के डीजीपी के रूप में उन्होंने सीमावर्ती प्रदेश में सुरक्षा और पुलिसिंग की चुनौती को बखूबी संभाला। सीबीआई में रहते हुए उन्होंने कई संवेदनशील और हाई प्रोफाइल मामलों की जांच की जिसमें रुचिका छेड़छाड़ मामला, 1984 सिख विरोधी दंगा मामला और रिजवान-उर-रहमान हत्या प्रकरण शामिल हैं। उन्हें उनके सख्त रुख और 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान निर्णायक नेतृत्व के लिए जाना जाता है, जब वह कानून-व्यवस्था के विशेष पुलिस आयुक्त के तौर पर तैनात थे। गोलचा फिलहाल मंडोली और रोहिणी जेलों के महानिदेशक के रूप में कार्यरत थे। गोलचा की छवि तब मजबूत हुई थी जब उन्होंने 2009 के शोपियां बलात्कार और हत्याकांड मामले की जांच की थी। बात दें कि शुरूआत में इस सुरक्षा बलों पर गंभीर आरोप की तरह प्रस्तुत किया गया था और घाटी में हिंसक विरोध-प्रदर्शन भड़क उठे थे। तब 47 दिनों तक घाटी की शांति बाधित रही थी। लेकिन सीबीआई की 12 सदस्यीय टीम का नेतृत्व कर रहे गोलचा ने कठोर दबाव और राजनीतिक हस्तक्षेप के बावजूद सच को सामने लाने का साहसिक काम किया था। फॉरेंसिक सबूतों से साबित हुआ था कि मामला बलात्कार या हत्या का नहीं बल्कि दुर्घटनावश डूबने का था। जांच ने न केवल पांच निर्दोष पुलिस अधिकारियों को राहत दी थी बल्कि पाकिस्तान की आईएसआई की साजिश को भी उजागर किया, जो घाटी में अस्थिरता फैलाने के लिए गढ़ी गई थी। यह प्रकरण गोलचा की वैज्ञानिक दृष्टि, निष्पक्षता और साहसिक निर्णय क्षमता का प्रमाण माना जाता है। बता दें कि 30 मई 2009 को शोपियां जिले में एक जलाशय से दो महिलाओं के शव बरामद हुए थे। वे एक दिन पहले परिवार के बगीचे से लापता हुई थीं।

आतंकी संबंधों के आरोप में दो सरकारी कर्मचारियों बर्खास्त

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकी संबंधों के आरोप में दो सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया है। यह कार्रवाई भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311 (2)(सी) के तहत की गई है। बर्खास्त किए गए दो कर्मचारियों में एक कुपवाड़ा के करनाह का एक शिक्षक और दूसरा कुपवाड़ा के केरन का एक सहायक स्टॉकमैन था। जांच में यह साबित हुआ कि दोनों कर्मचारी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के लिए काम कर रहे थे। कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों ने उनके खिलाफ आपत्तिजनक सबूत जुटाए थे। अगस्त 2020 में उपराज्यपाल का पद संभालने के बाद से, सिन्हा आतंकवाद को जड़ से खत्म करने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने आतंकवादियों के साथ-साथ उनके मददगार नेटवर्क, जिन्हें ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) और सरकारी संस्थानों में मौजूद उनके समर्थकों के रूप में जाना जाता है, को भी निशाना बनाया है।

कांग्रेस के नवनियुक्त ग्रामीण जिला अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह, मोहासा का....

सागर में हुआ ऐतिहासिक स्वागत

भोपाल से सागर तक विशाल काफिला....

ग्यारसपुरे से लेकर जामा मस्जिद तक जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

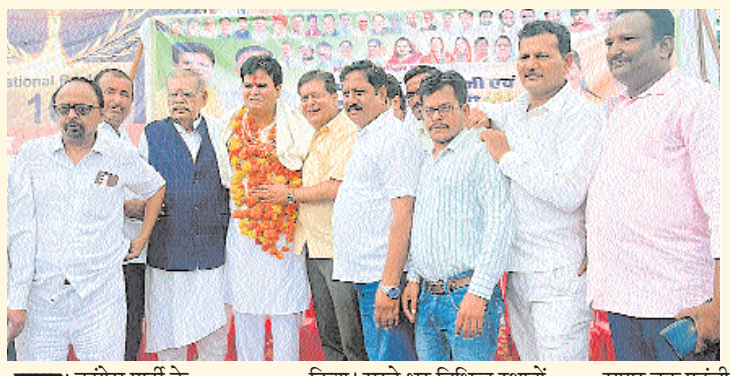

इस अवसर पर एक विशाल काफिला (रैली) निकाली गई, जो भोपाल से रवाना होकर सागर तक पहुंची।

सागर। कांग्रेस पार्टी के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) श्री भूपेन्द्र सिंह, मोहासा का भोपाल से सागर आगमन पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने ऐतिहासिक स्वागत किया। रास्ते भर विभिन्न स्थानों पर ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा और जोशीले नारों के साथ उनका भव्य अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर एक विशाल काफिला (रैली) निकाली गई, जो भोपाल से रवाना होकर सागर तक पहुंची। रैली के स्वागत में ग्यारसपुरे, राहतगढ़, सिहोरा, मोतीनगर चौराहा, लक्ष्मीनारायण वाटिका, राधा तिराहा और जामा मस्जिद जैसे प्रमुख स्थलों पर शानदार मंच सजाए गए थे। इन स्थानों पर स्थानीय नागरिकों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। रैली के सागर शहर में प्रवेश करते ही जनसैलाब उमड़ पड़ा। ढोल-नगाड़ों की गूंज, नारों की गूंज और लोगों का उत्साह पूरे माहौल को उत्सव में बदल गया। इस ऐतिहासिक मौके पर श्री भूपेन्द्र सिंह, मोहासा ने कहाः ह्लमुझे कांग्रेस पार्टी और सागर जिले की जनता से जो स्नेह, प्यार और विश्वास मिला है, वह मेरे लिए गौरव की बात है। मैं पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ ग्रामीण क्षेत्र के विकास, संगठन की मजबूती और जनसेवा के लिए कार्य करता रहूंगा। इस स्वागत रैली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, स्थानीय जनप्रतिनिधि, युवा कार्यकर्ता, महिला मोर्चा एवं हजारों की संख्या में पार्टी समर्थक मौजूद रहे।

सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में जिला प्रदेश में तीसरे स्थान पर

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। कलेक्टर बालागुरू के. के मार्गदर्शन में जिले ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया है। 20 अगस्त को जारी प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में जिला ग्रुप-ए में तीसरे नंबर पर आया है। जुलाई-अगस्त माह में कुल 5952 शिकायतों का 84.03 वेटेज स्कोर के साथ ह्यएह्ल रेटिंग के साथ निराकरण किया गया। इस रैंकिंग में गुना जिला पहले और सिंगरौली दूसरे स्थान पर रहा। इसके अलावा जिला पंचायत सीहोर ग्रुप-बी में पूरे प्रदेश में दूसरे स्थान पर रही है। कलेक्टर बालागुरू ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शिकायतों का केवल निराकरण ही नहीं, बल्कि वह संतुष्टिपूर्ण होना चाहिए। इसके लिए शिकायतकर्ता से लगातार संपर्क और संवाद बनाए रखा जाता है। **प्रतिदिन होती है समीक्षा-** कलेक्टर बालागुरू के अनुसार सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की प्रतिदिन गहन समीक्षा की जाती है। जिला स्तर के साथ-साथ अनुभाग और जनपद स्तर पर भी शिकायतों की समीक्षा कर उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाता है। मैदानी अमला भी शिकायतकताओं से संपर्क कर उनकी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने के लिए कार्य कर रहा है। यदि आवश्यक हो तो शिकायतकर्ता के घर जाकर भी उनसे संपर्क किया जाता है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि कोई भी शिकायत उच्च स्तर पर जाने से पहले ही पहले स्तर पर ही हल हो जाए।

आजाद अध्यापक संघ की बैठक में रायसेन जिले से बड़ी संख्या में पहुंचेंगे अध्यापक

दैनिक भेल पॉवर

रायसेन। आगामी 24 अगस्त को भोपाल में आजाद अध्यापक संघ की बैठक होने जा रही है। इस बैठक में आजाद अध्यापक संघ के ब्लॉक एवं जिले के समस्त अध्यापक भाग लेंगे। इस बैठक में अपनी लंबित मांगों को लेकर चर्चा की जाएगी। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष भाई भरत पटेल जी की अध्यक्षता में दिनांक 24 अगस्त दिन रविवार को स्थान रसधाम गार्डन पीपुल्स माल के सामने अयोध्या बायपास रोड भोपाल में समय दोपहर 12 बजे अध्यापकों की बैठक होगी। इसमें विभिन्न समस्याएं जैसे की पुरानी पैंशन,नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता,ई अटेंडेंस,ग्रेज्युटी एवं अन्य समस्याओं के संबंध में आगामी रणनीति बनाई जानी है। जिसमें प्रांतीय पदाधिकारी,संभाग अध्यक्ष एवं संभागीय पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, एवं जिला के समस्त ब्लांको के ब्लांक अध्यक्षों को बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना है। जिससे हमारी आगामी रणनीति बन सकें। बैठक में अध्यापकों से भाग लेने की अपील यशवंत सिंह मालवीय संभागीय प्रवक्ता ने की है।

धर्मांतरण के आरोपी जब्बार को खाली करना होगा घर, नपा ने दिया 15 दिन का अल्टीमेटम

नपा के नियमों का उल्लंघन, फर्स्ट फ्लोर की अनुमति, दूसरी मंजिल बगैर अनुमति के बनाई

जांच में मिला तीन फीट आगे, तीन फीट पीछे अतिक्रमण

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। जिला मुख्यालय के हाउसिंग बोर्ड कालोनी में धर्मांतरण के आरोपी जब्बार खान ने नपा के ईडब्ल्यूएस मकान में नियमों का उल्लंघन किया है। मकान के आगे व पीछे दोनों पर तरफ अतिक्रमण है, जबकि मकान पर बगैर अनुमति के दूसरी मंजिल भी तान दी गई है। नियमों के उल्लंघन के चलते नपा ने जब्बार खान को 15 दिन में मकान खाली करने का अल्टीमेटम दिया है। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस विकास राठौर ने शुक्रवार नपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि इस मकान का आवंटन मूल रूप से अशोक डाबी को किया गया था, जिन्होंने इसे जब्बार खान को बेच दिया था। इस मकान के लिए निर्धारित 20 शर्तों में से जब्बार खान ने चार का उल्लंघन किया है, जिसके चलते लीज डीड रद्द करने का फैसला लिया गया है। **इन नियमों का उल्लंघन-** मकान के आगे और पीछे दोनों तरफ 3-3 फीट का अतिक्रमण किया गया है। - जब्बार खान ने मकान निर्माण के लिए नगर पालिका से भवन अनुमति नहीं ली थी। - शर्तों के अनुसार मकान का इस्तेमाल धार्मिक गतिविधियों के लिए नहीं किया जा सकता, लेकिन पुलिस एफआईआर में यह स्पष्ट है कि मकान में धर्मांतरण की गतिविधियां चल रही थीं। - मकान में पहली मंजिल के निर्माण की अनुमति नहीं थी, लेकिन ऊपर का फ्लोर भी बना लिया गया है। **15 दिन का अल्टीमेटम-** नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस विकास राठौर ने बताया कि नगर पालिका ने जब्बार खान को नोटिस जारी किया गया है, 15 दिन के भीतर जब्बार खान व परिवार को घर खाली करने का कहा गया है।

हीरापुर पारुआ गांव में 8-9 फीट का विशाल अजगर मिलने से हडकंप

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। *जिले के हीरापुर पारुआ गांव में शुक्रवार को एक विशाल अजगर दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। अजगर की लंबाई लगभग 8 से 9 फीट बताई जा रही है। खेतों के पास अजगर को रेंगते देख ग्रामीण दूर हट गए, लेकिन उत्सुकता में कुछ लोग वीडियो बनाने लगे। सूचना मिलते ही अहमदपुर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू किया। वन विभाग ने बताया कि अजगर को कोई चोट नहीं आई और उसे पास के घने जंगल में छोड़ दिया गया है। बारिश के मौसम में जिले में यह दूसरी बार है जब इतना बड़ा अजगर दिखाई दिया है। इससे पहले बुधनी में भी एक अजगर का रेस्क्यू किया गया था। अजगर के गांव में आने की खबर सुनकर लोगों में डर का माहौल बन गया थाए वहीं कई लोग इसे देखने के लिए मौके पर भी पहुंचे। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि अगर वे किसी भी खतरनाक वन्यजीव को देखें तो तुरंत वन विभाग को सूचित करें और खुद उसके पास जाने की कोशिश न करें।*

भादो में सावन जैसी बरसात, रुक-रुक कर बरस रहे बदरा

सीहोर। बारिश के मामले में सावन का आधा महीना भले ही रीता गया हो, लेकिन अब भादो मास में सावन जैसी बरसात हो रही है। करीब 5-6 दिनों से जिले में रुक-रुक कर बरसात हो रही है। बारिश का आंकड़ा अब धीरे-धीरे बढ़ रहा है। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष अब तक 1 इंच कम बरसात हुई है। मौसम विभाग के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में सुबह 08 बजे तक 11.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केंद्र सीहोर में 23.3 मिलीमीटर, श्यामपुर में 15.0, आष्टा में 20.0, जावर में 4.0, इछावर में 11.0, भैरूंदा में 7.0, बुधनी में 5.0, रेहटी में 7.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 01 जून से 22 अगस्त को सुबह 8 बजे तक 779.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। गत वर्ष इसी अवधि में औसत वर्षा 803.1 मिलीमीटर थी। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1148.4 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू.अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से 22 अगस्त 2025 तक जिले के वर्षामापी केन्द्र सीहोर में 757.4 मिलीमीटर, श्यामपुर में 720.9, आष्टा में 616.0, जावर में 522.2, इछावर में 767.3, भैरूंदा में 750.0, बुधनी में 1075.0 तथा रेहटी में 1024.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

गांव-गांव पहुंचे राजस्व मंत्री वर्मा, सुनी जनता की समस्याएं

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने शुक्रवार को सीहोर और इछावर तहसील के कई गांवों का दौरा कर जनसुनवाई की। उन्होंने सीधे ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। श्री वर्मा ने कहा कि जनता की सेवा करना ही सरकार का सबसे बड़ा धर्म है। मंत्री वर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य हर नागरिक की समस्या को अपनी समस्या मानकर उसका समाधान करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब अधिकारी और सेवाएं खुद जनता तक पहुंचेंगी, ताकि किसी को

कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें। जनसुनवाई के दौरान मुख्य रूप से भूमि विवाद, राजस्व अभिलेखों की गड़बड़ी, पेंशन, आवास, बिजली.पानी, सडक और शिक्षा से जुड़े मुद्दे सामने आए। श्री वर्मा ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को चेतावनी दी कि किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि सरकार की योजनाओं जैसे पीएम आवास योजना, लाड़ली लक्ष्मी, पीएम किसान सम्मान निधि आदि का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाएं तभी सफल होंगी जब उनका लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। मंत्री श्री वर्मा ने ग्राम चितावलिया हेमा, चितावलिया लाखा, पचपिपलिया, मुस्करा, नरसिंहखेड़ा, सिराड़ी और रामगढ़ सहित कई गांवों का दौरा किया। इस दौरान उनके साथ कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी मौजूद थे।

सड़कों पर बैठ रहे गौवंश को गौशालाओं में छोड़ने के पुख्ता प्रबंध करें- कलेक्टर श्री विश्वकर्मा

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की अध्यक्षता में संपन्न

दैनिक भेल पॉवर

रायसेन। जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। जिसमें कलेक्टर श्री विश्वकर्मा तथा पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पांडे द्वारा जिले में सड़क दुर्घटना को रोकने, ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित सड़क मार्ग पर सुरक्षा उपाय करने तथा यातायात नियमों के पालन के लिए जागरूकता लाने हेतु गतिविधियों की समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सड़कों पर निराश्रित गौवंश के बैठने के कारण हो रही दुर्घटनाओं को रोकने ठोस कदम नहीं उठाने पर एनएच के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि

राष्ट्रीय राजमार्ग पर घूमने या बैठने वाले गौवंश को नजदीकी गौशालाओं में छुड़वाने के समुचित प्रबंध करें और इसकी मॉनीटरिंग भी की जाए। इसी प्रकार एमपीआरडीसी के अधिकारी को भी दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सड़कों पर गौवंश के बैठने के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की गंभीरता को समझें तथा संवेदनशीलता के साथ इसको रोकने के लिए काम करें। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा तथा पुलिस अधीक्षक श्री पांडे ने ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित किए गए अधिक दुर्घटना वाले स्थलों तथा दुर्घटना संभावित स्थलों यथा ग्राम पठारी के समीप मुख्य मार्ग पर स्थित पुलिया, लाम्बाखेड़ा-सलामतपुर मार्ग सहित अन्य ब्लैक स्पॉट पर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने चिन्हित स्थलों पर कैट आई लगाने, चेतावनी बोर्ड लगाने, मार्किंग आदि किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। एनएच तथा एमपीआरडीसी के अधिकारियों ने कहा कि कैट आई तथा चेतावनी बोर्ड लगाने का कार्य आगामी 10 दिवस में तथा 15 दिवस के उपरांत मार्किंग आदि कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

दूसरे की दुकानों से सामान चोरी कर अपनी दुकान से सामान बेचता था आरोपी

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। भैरुंदा थाना पुलिस ने एक किराने की दुकान में चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से चोरी का सामान, नगदी और घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी बरामद की है। बरामद सामान की कुल कीमत लगभग 1.5 लाख रुपये है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिंहपुर निवासी रामदिन जायसवाल ने 22 जुलाई को अपनी दुकान में चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि चोर रात में दुकान का ताला तोडकर दुकान से तेल, चायपत्ती, साबुन, गुटखा, बीड़ी और गल्ले में रखे 15 हजार रुपये नगद समेत कई सामान चुरा ले गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के निर्देश पर एक टीम बनाई गई। टीम ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और साइबर सेल की मदद ली। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने 20 अगस्त को तीन संदिग्ध गोलू उर्फ हेमंत मीणा, अजय मीणा और राहुल मीणा को लाडकुई से हिरासत में लिया।

दुकान में चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश

पूछताछ में कबूजा जुर्म

पूछताछ में तीनों आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उन्होंने बताया कि वे रात में सूनी दुकानों की रेकी करते थे। फिर ताला तोडकर दुकान में घुसते थे। आरोपियों में से हेमंत और राहुल दुकान के अंदर चोरी करते थे, जबकि अजय बाहर निगरानी रखता था। चोरी का सामान आपस में बांटने के बाद राहुल जो खुद एक किराना दुकान चलाता है ने ज्यादातर सामान अपने पास रख लिया था। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने इछावर थाना क्षेत्र में भी चोरी की कुछ वारदातें करना स्वीकार किया है, जिसकी सूचना इछावर पुलिस को दी गई है। सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

NAME CHANGE

I, Seema W/o Suresh R/o 445 Bijasen Mata Mandir Ke Pass, Gram Panchayat Suhagi Adhartal, Adhartal, Jabalpur, Madhya Pradesh-482004 have changed name of my minor daughter Shrashti Pandey aged 12 years to Mandvi Pandey.

अपेक्स बैंक की 61 वीं वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

बैंक ने वित्तीय 2024-25 में रू.139.04 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। अपेक्स बैंक की 61 वीं वार्षिक साधारण सभा आज अपेक्स बैंक में समन्वय भवन के सभागार में म.प्र.शासन के प्रमुख सचिव, सहकारिता एवं अपेक्स बैंक के प्रशासक श्री डी.पी.आहूजा की अध्यक्षता में आयोजित हुई । बैठक के आरंभ में अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री मनोज गुप्ता ने बैंक के प्रशासक श्री डी.पी.आहूजा, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक श्री मनोज पुष्प एवं बैंक के पूर्व प्रबंध संचालक श्री प्रदीप नीखरा का पुष्प-गुच्छ से स्वागत किया । श्री गुप्ता ने बैठक में प्रशासक महोदय के अभिभाषण का वाचन करते हुये बैंक की वित्तीय स्थिति से सभी सदस्यों को अवगत कराते हुए कहा कि समग्र प्रयासों एवं समयबद्ध कार्ययोजना के क्रियान्वयन के फलस्वरूप

अपेक्स बैंक द्वारा इस वर्ष अब तक का अधिकतम शुद्ध लाभ रू.139.04 करोड़ का अर्जित किया है। इसलिये बैंक ने अब अपने अंशधारियों को 4 प्रतिशत की दर से लाभांश देने का भी निर्णय लिया है। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि वर्ष 2024-25 के आय-व्यय के साथ वर्ष 2025-26 के बजट को बैठक में अनुमोदित किया गया। इस वर्ष अपेक्स बैंक को अंकेक्षक ने ''ए'' ग्रेड प्रदान किया है तथा अपेक्स बैंक में इस वर्ष 23 सहायक प्रबंधक, 95 संवर्ग अधिकारियों की आईबीपीएस के माध्यम से भर्ती प्रक्रियाधीन है, जबकि 54 बैंकिंग सहायकों की भर्ती की गई है। इसी प्रकार प्रदेश के 38 जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों में अधिकारी वर्ग के 326, बैंकिंग सहायक वर्ग के 1040 एवं समिति प्रबंधक वर्ग के 839 अर्थात 2205 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया भी प्रक्रियाधीन है । उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश की त्रि-स्तरीय सहकारी साख संरचना को मजबूत, सशक्त एवं समृद्ध बनाने की दिशा में केन्द्र प्रायोजित पैक्स कम्प्यूटराईजेषन योजनान्तर्गत प्रदेश की 4536 पैक्स में हार्डवेयर इंस्टाल कर दिये गये हैं एवं 4534 पैक्स साफ्टवेयर पर आन बोर्ड हो चुकी हैं । पैक्स रियल टाईम साफ्टवेयर पर कार्य कर सकें, इसकी कार्यवाही प्रक्रियाधीन है, इससे पैक्स की कार्यप्रणाली और सेवाओं में पारदर्षिता आयी है और जनसामान्य में पैक्स के प्रति विश्वास बढ़ा है। इसी प्रकार पैक्स सदस्यों को उनके खातों के संव्यवहारों की सूचना एस.एम.एस. के द्वारा भेजने वाला प्रथम राज्य मध्य-प्रदेश बन गया है। अन्त में प्रबंध संचालक श्री मनोज गुप्ता ने प्रदेश के मा.मुख्यमंत्री जी, सहकारिता मंत्री जी, कृषि उत्पादन आयुक्त, भारतीय रिजर्व बैंक, नाबार्ड, नेफेस्कॉब, सहकारिता, कृषि एवं खाद्य व नागरिक आपूर्ति विभाग के साथ उपस्थित प्रतिनिधियों, शीर्ष सहकारी संस्थाओं के प्रबंध संचालकों का आभार व्यक्त किया । बैठक का संचालन उप महाप्रबंधक श्री के.टी.सज्जन ने किया । बैठक में नाबार्ड की मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती सी.सरस्वती, अपेक्स बैंक के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारीगण श्रीमती अरूणा दुबे, श्री अरूण मिश्र, श्री अरविंद बौद्ध, शीर्ष सहकारी संस्थाओं के प्रबंध संचालक सर्वश्री रितुराज रंजन, महेन्द्र दीक्षित, श्री आर.एस. विश्वकर्मा, अपेक्स बैंक के प्रबंधक श्री करूण यादव, श्री विवेक मलिक, श्री समीर सक्सेना, श्री अजय देवड़ा, आर.वह.एम.पिल्लई के साथ सभी शीर्ष सहकारी संस्थाओं/अपेक्स बैंक के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित हुए ।

नगर में डिजिटल बारकोड डोर नंबर प्लेट अभियान शुरू

दैनिक भेल पॉवर

नरसिंहगढ। शुक्रवार को नपा ने नगरीय क्षेत्र के सभी भवनों, दुकानों और होटलों पर डिजिटल बारकोड युक्त डोर नंबर प्लेट लगाने का अभियान शुरू किया है। सम्बंधित एजेंसी राज केयर इन्फोविजन के साथ नपा की सर्वे टीम प्रत्येक वार्ड में अभियान चलाकर प्लेट लगाने कार्य करेगी। इस सम्बंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी अभिषेक जैन ने बताया कि यह प्लेट विशेष रूप से बारकोड युक्त होगी। इसके माध्यम से संबंधित परिवार भवन की समस्त जानकारी डिजिटल रिकॉर्ड में उपलब्ध रहेगी और भविष्य में नगर पालिका कर भी सीधे इसी बारकोड से जमा किए जा सकेंगे प्रत्येक भवन, दुकान एवं होटल के लिए 120 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। नपा का कहना है कि आगे चलकर सभी सेवाएँ इसी बारकोड डोर प्लेट से जुड़ेंगी। इसलिए नागरिक अनिवार्य रूप से प्लेट लगवाये।

चिल्ड्रन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल, गाँधी नगर, भोपाल में तीन दिवसीय नेत्र परीक्षण शिविर का सफल आयोजन

सीएचआई-यूएसए एवं विजनस्प्रिंग फाउंडेशन के संयुक्त सहयोग से संपन्न हुआ आयोजन

- संस्था के सचिव श्री घनश्याम बूलचंदानी ने सीएचआई-यूएसए एवं विजनस्प्रिंग फाउंडेशन के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा, स्वस्थ दृष्टि ही उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। चिल्ड्रन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल, गाँधी नगर, भोपाल में विजनस्प्रिंग फाउंडेशन (VSF) एवं चिल्ड्रन्स होप इंडिया - यूएसए (CHI-USA) के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 20 अगस्त से 22 अगस्त 2025 तक तीन दिवसीय नेत्र परीक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य छात्राओं के नेत्र स्वास्थ्य की जाँच कर, समय रहते दृष्टि संबंधी समस्याओं की पहचान कर उन्हें दूर करना तथा विद्यार्थियों में नेत्र-स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस तीन दिवसीय शिविर के दौरान कुल 508 छात्राओं का नेत्र परीक्षण किया गया, जिनमें से 98 छात्राओं के लिए चश्मे आवश्यक पाए गए,

जबकि 46 छात्राओं को विशेषज्ञ परामर्श (रेफरल) हेतु चिह्नित किया गया। इस अवसर पर शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसाइटी के वरिष्ठ पदाधिकारियों – अध्यक्ष श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी, उपाध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी, सचिव घनश्याम बूलचंदानी तथा जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामानी द्वारा शिविर का अवलोकन कर, इस पहल की सराहना की गई। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती प्रिया जैन शर्मा ने बताया कि यह सुनिश्चित किया गया है कि जिन छात्राओं में दृष्टि दोष पाया गया है, उन्हें आगामी 15-20 दिनों में निःशुल्क चश्मे वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह शिविर छात्राओं की सीखने की क्षमता को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संस्था के सचिव श्री घनश्याम बूलचंदानी ने सीएचआई-यूएसए एवं विजनस्प्रिंग फाउंडेशन के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा, ह्यह अत्यंत सराहनीय है कि विद्यालय एवं सहयोगी संस्थाएं समय-समय पर छात्राओं के हित में इस प्रकार की सार्थक एवं प्रभावी गतिविधियों का आयोजन करती हैं। यह शिविर, छात्राओं के लिए नेत्र स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित करने वाला एक प्रशंसनीय प्रयास रहा, जिसकी सराहना विद्यालय एवं समाज दोनों स्तरों पर की गई।

सभी औपचारिकताएं समय सीमा में पूर्ण कर विकास कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराएं और मानक स्तर की गुणवत्ता के साथ नियत अवधि में पूर्ण कराएं

महापौर श्रीमती मालती राय ने विभिन्न विधानसभाओं के अंतर्गत आने वाले जोनों के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए दिए निर्देश

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। महापौर श्रीमती मालती राय ने भोपाल उत्तर, मध्य एवं दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले जोनों में विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया है कि विकास कार्यों की टेंडर प्रक्रिया, वर्क आर्डर आदि औपचारिकताएं समय सीमा में पूर्ण कर तत्काल कार्य प्रारंभ कराए और नियत समयावधि में मानक स्तर की गुणवत्ता के साथ विकास कार्यों को पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान अधीक्षण यंत्री श्री आर.आर.जारोलिया सहित उपरोक्त विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले जोन क्षेत्रों के सहायक यंत्री, उपयंत्री व अन्य अधिकारी मौजूद थे। महापौर श्रीमती मालती राय ने शुक्रवार को आई.एस.बी.टी. स्थित महापौर कार्यालय के सभाकक्ष में भोपाल उत्तर, मध्य एवं दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले जोनों में विकास कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान महापौर श्रीमती राय ने प्रचलित विकास कार्यों की प्रगति के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की साथ ही प्रस्तावित कार्यों के संबंध में भी विस्तार से जानकारी प्राप्त की। महापौर श्रीमती राय ने प्रचलित कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए साथ ही निर्देशित किया कि आने वाले समय में किए जाने वाले विकास कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया शीघ्रता से प्रारंभ करें और समय सीमा में सभी औपचारिकताएं पूर्ण कर वर्क आर्डर जारी कर कार्य प्रारंभ कराए। महापौर श्रीमती राय ने प्रचलित कार्यों सहित प्रस्तावित व अन्य कार्यों को मानक स्तर की गुणवत्ता के साथ नियत समयावधि में पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए। महापौर श्रीमती राय ने कहा कि शहर के नागरिकों को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु हम संकल्पित है और इसी के दृष्टिगत शहर के सभी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर विकास कार्य कराए जा रहे है।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल को अंडरझ्11 रोलरबॉल स्केटिंग चैम्पियनशिप में रजत पदक – छात्रों का शानदार प्रदर्शन, तीन का राज्य स्तरीय चयन

दैनिक भेल पॉवर

राजधानी के प्रतिष्ठित सीबीएसई स्कूल मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल की अंडरझ्11 ब्वायज टीम ने भोपाल जिला रोलरबॉल स्केटिंग चैम्पियनशिप एवं राज्य टीम चयन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रनर-अप (रजत पदक) प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय की प्रतिभाशाली टीम ने द संस्कार वैली, एसपीएस द्वारकाधाम, और एसपीएस कटारा हिल्स जैसे नामचीन स्कूलों को पछाड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की। टीम के खिलाड़ियोंआदित्य श्रेष्ठ, आरव तिवारी, मयंक जोशी, मीत थदानी, राजवीर नामदेव, सोहम नरयानी, स्पर्श भट्ट, विहान शर्मा, विवान लालवानी, दक्ष पाल, ऋषि खूबचंदानी और श्रेयांश

कावड़कर ने अपने शानदार प्रदर्शन से विद्यालय की गौरवगाथा में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ा। श्रेयांश कावड़कर, आदित्य श्रेष्ठ एवं मीत थदानी का चयन भोपाल जिला टीम में हुआ है, जो अब 23 एवं 24 अगस्त 2025 को इंदौर में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भोपाल का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस सफलता के पीछे विद्यालय के कुशल खेल शिक्षक श्री राकेश पाटिल का सराहनीय योगदान रहा, जिनके मार्गदर्शन एवं प्रेरणा ने खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का आत्मविश्वास दिया। विद्यालय के प्राचार्य श्री ए एन मणिकंडन ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थियों ने अपने समर्पण, अनुशासन और टीम भावना से यह उपलब्धि हासिल की है। यह केवल एक पदक नहीं, बल्कि भविष्य की उड़ान की नींव है।

जनजातीय परिवारों को सशक्त करने बनेगा तीन लाख आदि कर्मयोगियों का समर्पति संवर्ग

41 जिलों के 11294 जनजातीय बहुल गांवों को मिलेगा लाभ

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में जनजातीय परिवारों को सशक्त बनाने और प्रत्येक परिवार को योजनाओं का लाभ देने के लिए तीन लाख ₹आदि कर्मयोगियोंह का समर्पति संवर्ग तैयार किया जा रहा है। इससे 41 जिलों के 11 हजार 294 जनजातीय बहुल गांवों में रह रहे परिवारों को लाभ होगा। इसका उद्देश्य जनजातीय कल्याण के लिए उत्तरदायी, पारदर्शी और जवाबदेह शासन को बढ़ावा देना है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सोच है कि विकसित भारत के निर्माण में जनजातीय परिवारों की समान भागीदारी हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निदेर्शानुसार आदि कर्मयोगी अभियान में शासकीय अधिकारी 'आदि कर्मयोगी' के रूप में, युवा नेता, शिक्षक, डॉक्टर, सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनजातीय कार्यों में रूचि रखने वाले प्रतिबद्ध लोग 'आदि सहयोगी' के रूप में और स्व-सहायता समूह, जनजातीय नेता, स्वयंसेवक, सांस्कृतिक कार्यकर्ता, गांव के निवासी ₹आदि साथीह के रूप में जुड़ सकते हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आदि कर्मयोगी अभियान में मध्यप्रदेश में विशेषज्ञ संस्था भारत ग्रामीण आजीविका फाउंडेशन - बी.आर.एल.एफ द्वारा आदि कर्मयोगियों को राज्य, जिला, विकासखंड और ग्राम स्तरीय प्रशिक्षण देकर मास्टर ट्रेनर तैयार किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 02 अक्टूबर 2024 को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ किया था। केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा इस अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री श्री मोदी के मिशन अनुरूप आदि कर्मयोगी अभियान प्रारंभ किया गया है। आदि कर्मयोगी एक राष्ट्रीय मिशन है। इसमें जमीनी स्तर पर शासन-प्रशासन तंत्र तथा सेवाओं को जनजातीय परिवारों के हित में मजबूत बनाया जायेगा। इस अभियान से देश में 20 लाख जिला अधिकारियों एवं अन्य हितधारकों का एक कैडर विकसित हो रहा है। इसमें मध्यप्रदेश के तीन लाख आदि कर्मयोगी शामिल हैं। आदि कर्मयोगी अभियान में स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, ग्रामीण विकास, वन, पंचायती राज विभाग और जल जीवन मिशन शामिल हैं। यह अभियान केन्द्र से लेकर विकासखंड स्तर तक जनजातीय विकास के संपूर्ण दृष्टिकोण को बढ़ावा देने और सार्वजनिक संस्थानों में विश्वास बढ़ाने का कार्य करेगा। आदि कर्मयोगी अभियान के प्रथम चरण में देश के 27 राज्यों के 326 जिलों को शामिल किया गया है। इसमें मध्यप्रदेश के 41 जिले शामिल हैं। भियान अंतर्गत धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए ग्राम स्तर पर अपेक्षित परिणामों में मुख्य रूप से महत्वपूर्ण सेवाओं जैसे - आवास, सड़क, पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य में सौ प्रतिशत लक्ष्य हासिल करना है। **मध्यप्रेश में प्रगति**- स्टेट प्रोसेस लैब प्रशिक्षण का चार दिवसीय दूसरा सत्र 23 अगस्त से भोपाल सहित 24 जिलों में शुरू हो रहा है। प्रथम चरण के 17 जिलों में एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम हुआ। राज्य स्तरीय प्रोसेस लैब प्रशिक्षण के प्रथम चरण में 11 से 14 अगस्त को भोपाल में दो स्थानों पर 17 जिलों के 136 डिस्ट्रिक्ट मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षति किया गया। डिस्ट्रिक्ट प्रोसेस लैब 20 से 22 अगस्त तक चली। इसमें केन्द्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री श्री दुगार्दास उइके और मध्यप्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने मार्गदर्शन दिया। ादि कर्मयोगी अभियान की प्रगति की समीक्षा के लिए राज्य, जिला, विकासखंड और ग्राम स्तर पर उत्तरदायी समूह बनाये गये हैं। राज्य स्तर पर मुख्य सचिव जिला स्तर पर संबंधित कलेक्टर और विकासखंड स्तर पर एसडीएम उत्तरदायी समूहों की अध्यक्षता करेंगे। जनजातीय बहुल गांव अब नया परिवर्तन अनुभव करने के लिए तैयार हो रहे हैं। सड़क संपर्क, पक्के मकान, पेयजल, घरेलू बिजली, आयुष्यमान भारत, डिजिटल सेवा जैसी सेवाओं से जनजातीय परिवार अब वंचित नहीं रहेंगे। प्रदेश में आदि सेवा केन्द्र बनाने की भी तैयारी है, जहां शिकायत निवारण रजिस्टर, नोडल अधिकारियों के संपर्क नम्बर और ग्राम के विकास का विजन तैयार करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया जायेगा।

डेनेशिया डेंटल हॉस्पिटल , अपोलो डेंटल और ग्लोबल वेलफेयर स्माइल फाउंडेशन द्वारा सेंट थेरेसा गर्ल्स स्कूल में सफल कैंप का आयोजन

दैनिक भेल पॉवर

सेंट थेरेसा गर्ल्स स्कूल में डेनेशिया डेंटल हॉस्पिटल , अपोलो डेंटल एवं ग्लोबल वेलफेयर स्माइल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में एक सफल डेंटल कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप का उद्देश्य स्कूली बच्चों को मुफ्त डेंटल जांच और उपचार प्रदान करना था। कैंप में डेनेशिया डेंटल हॉस्पिटल के डॉ प्रशांत त्रिपाठी, डॉ पूजा त्रिपाठी एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने भाग लिया और बच्चों की डेंटल जांच की। इस दौरान बच्चों को उनके दांतों की सेहत के बारे में

जानकारी दी गई और आवश्यक उपचार प्रदान किए गए। ग्लोबल वेलफेयर स्माइल फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने भी कैंप में भाग लिया और बच्चों को ओरल हाइजीन के महत्व के बारे में जागरूक किया। सेंट थेरेसा गर्ल्स स्कूल की प्रिंसिपल ने कैंप के आयोजन के लिए डेनेशिया डेंटल हॉस्पिटल , अपोलो डेंटल और ग्लोबल वेलफेयर स्माइल फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कैंप से बच्चों को बहुत लाभ होगा और वे अपने दांतों की सेहत के प्रति जागरूक होंगे। डेनेशिया डेंटल हॉस्पिटल, अपोलो डेंटल और ग्लोबल वेलफेयर स्माइल फाउंडेशन इस तरह के कैंप आगे भी आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और समाज के विभिन्न वर्गों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए काम करते रहेंगे।

दैनिक भेल पॉवर

विशाल रक्तदान शिविर राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की 18वीं पुण्य समृद्धि दिवस पर ब्रह्माकुमारी सीआरपी बैरागढ़ द्वारा रक्तदान शिविर रविवार 24 अगस्त को सुबह 10:00 से शाम 4:00 तक लगाया जा रहा है सभी संत नगर वासियों से निवेदन है कि इस पुण्य के कार्य में सहयोगी बने किसी का जीवन बचाने का पुण्य जमा करें यह शिविर पूरे भारत में और नेपाल में , ब्रह्माकुमारीज के सभी सेवा केंद्र पर लगाया जा रहा है जिसकी लॉन्चिंग दिल्ली गुरुग्राम ओम शांति रिट्रीट सेंटर में केंद्रीय मंत्री जगन्नाथ नड्डा जी के द्वारा 17 तारीख को की गई है।

NAME CHANGE

I, Virendre Mohan S/o Roopchand Uppal R/o 136-R Khatiwala Tank, Indore, Madhya Pradesh-452014 have changed my name to Varinder Mohan Uppal.

अमेरिका, भारत-रूस और तेल व्यापार : इसे इस नजरिए से भी दखिए

यहाँ यह भी समझना जरूरी है कि भारत की रूस पर निर्भरता कोई स्थायी नहीं है, बल्कि व्यावहारिक है। भारत 2021 तक रूस से अपनी जरूरत का केवल 1% से भी कम तेल खरीदता था। लेकिन पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद रूस ने डिस्काउंट देना शुरू किया और भारत ने इसका फायदा उठाया।

आज की दुनिया में ऊर्जा सिर्फ एक वस्तु नहीं है, बल्कि हर देश की आर्थिक रीढ़ और सामरिक शक्ति का आधार है। तेल और गैस वैश्विक राजनीति के सबसे अहम औजार बन चुके हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए, लेकिन इसने रूस को रोकने के बजाय उसे नए बाजारों की ओर मोड़ दिया। भारत और चीन जैसे बड़े उपभोक्ता देशों के लिए यह एक अवसर बनकर आया। भारत, जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है, उसने रूस से रिकॉर्ड स्तर पर सस्ता कच्चा तेल खरीदना शुरू किया। आज यही बात अमेरिका को खटक रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25% से बढ़ाकर 50% तक अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, सिर्फ इसलिए कि भारत अपनी जनता और उद्योग को रूस से सस्ता तेल खरीदकर राहत दे रहा था। जबकि चीन, जो रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है, उस पर अमेरिका ने अपेक्षाकृत नरमी बरती। यही नहीं, चीन के रिफाइनर रूस से पश्चिमी हिस्से का यूराल तेल खरीदकर और भी फायदा उठा रहे हैं। अगस्त 2025 के आँकड़ों के अनुसार, चीन ने लगभग 75,000 बैरल प्रतिदिन यूराल तेल खरीदा, जबकि उसका औसत पहले 40,000 बैरल था। दूसरी तरफ, भारत का आयात घटकर 4 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जबकि पहले यह 11.8 लाख बैरल प्रतिदिन था।

आज भारत के लिए रूस से तेल खरीदने के पीछे दो प्रमुख कारण हैं। पहला, कीमत। जब पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए, तो रूस ने तेल पर भारी छूट देनी शुरू की। 2022झ23 में रूस भारत को 20 लाख बैरल प्रतिदिन तक तेल बेच रहा था, और यह तेल मध्य पूर्व की तुलना में 20झ30 डॉलर प्रति बैरल सस्ता था। दूसरा कारण है ऊर्जा सुरक्षा। भारत की कुल ऊर्जा खपत का 85% हिस्सा आयात से आता है। ऐसे में सस्ती सप्लाई पाना भारत के लिए सिर्फ विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता थी। अगर अमेरिका यह कहता है कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर मुनाफा कमा रहा है, तो इसमें गलत क्या है? क्या अमेरिका की तेल कंपनियाँ केवल मानव सेवा के लिए काम करती हैं? क्या अमेरिकी शेल ऑयल इंडस्ट्री सिर्फ घाटे में चलाने के लिए बनाई गई है? बिल्कुल नहीं। दुनिया का हर देश और हर कंपनी मुनाफे के लिए ही काम करती है, फिर भारत के मुनाफे पर अमेरिका की आपत्ति क्यों?

व्हाइट हाउस के सलाहकार पीटर नवारो ने भारत की तेल खरीद को ह्लस्स्र१-३४ल्र२३ ल्लं ५ी१८ह्व कहा। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने तो यहाँ तक कह दिया कि भारत रूसी तेल खरीदकर सिर्फ अमीर भारतीय परिवारों को फायदा पहुँचा रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारत ने 16 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त मुनाफा कमाया है। लेकिन अगर यही तर्क मान लिया जाए, तो अमेरिका की शेल गैस कंपनियाँ, तेल निर्यातक, हथियार निमार्ता और फार्मा कंपनियाँ भी तो मुनाफा ही कमा रही हैं। तो फिर भारत के मुनाफे पर इतनी तकलीफ क्यों? असलियत यह है कि अमेरिका दुनिया की ऊर्जा राजनीति पर अकेले अपना दबदबा बनाए रखना चाहता है।

यहाँ यह भी समझना जरूरी है कि भारत की रूस पर निर्भरता कोई स्थायी नहीं है, बल्कि व्यावहारिक है। भारत 2021 तक रूस से अपनी जरूरत का केवल 1% से भी कम तेल खरीदता था। लेकिन पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद रूस ने डिस्काउंट देना शुरू किया और भारत ने इसका फायदा उठाया। इससे भारतीय जनता को महंगे पेट्रोल-डीजल से कुछ राहत मिली और रिफाइनरी कंपनियों को भी प्रतिस्पर्धी बढ़त मिली। लेकिन जैसे ही अमेरिका ने दबाव बनाया और टैरिफ बढ़ाया, भारत की खरीद कम हो गई। परिणाम यह हुआ कि चीन ने यह अवसर तुरंत लपक लिया और रूस से ज्यादा तेल खरीदना शुरू कर दिया। क्या अमेरिका को इस पर आपत्ति है? नहीं। क्यों? क्योंकि चीन से टकराने की अमेरिका की हिम्मत नहीं है।

अमेरिका की नीति का एक और पहलू यह है कि वह भारत पर दबाव डालकर अपने तेल को बेचने का रास्ता साफ करना चाहता है। आंकड़े बताते हैं कि 2025 की पहली छमाही में भारत का अमेरिका से तेल आयात 51% बढ़कर 2.71 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुँच गया था, सबसे बड़ी बात यह है कि यह वृद्धि 2024 की पहली छमाही में 1.8 लाख बैरल प्रति दिन की तुलना में काफी अधिक है, फिर भी उसका मन नहीं भर रहा है। यानी, अमेरिका चाहता है कि भारत किसी भी सूरत में रूस से तेल न खरीदे और मजबूरी में उससे खरीदे। यह एक प्रकार का आर्थिक ब्लैकमेल है। भारत को सस्ते विकल्प छोड़कर महंगे विकल्प अपनाने के लिए मजबूर करना किसी भी तरह न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता।

भारत सरकार ने अमेरिका की इस नीति का विरोध भी किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत की तेल खरीद जरूरत के हिसाब से है, और पश्चिमी देश खुद भी रूस से कुछ व्यापार जारी रखे हुए हैं। यानी, जो काम अमेरिका और यूरोप खुद करें तो सही, लेकिन भारत करे तो गुनाह। भारत ने साफ कर दिया है कि वह अपनी जनता को सस्ता ऊर्जा स्रोत देने के लिए हर संभव कदम उठाएगा। यही भारत का अधिकार है और यही किसी भी संप्रभु राष्ट्र की स्वतंत्रता का हिस्सा है। आज जिस तरह के आंकड़े सामने आ रहे हैं, उससे पता चलता है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज और अन्य निजी कंपनियाँ भी रूस से तेल खरीदकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम उत्पाद बेच रही हैं। इससे भारत को विदेशी मुद्रा आय हुई है। अगर चीन यही काम करे तो उसे ह्लव्यापारिक चतुराईह्व कहा जाता है, लेकिन भारत करे तो उसे ह्लखतरनाकह्व कहा जाता है। यह भेदभाव अब दुनिया की नजर से छिपा नहीं है।

वस्तुतः अमेरिका यह चाहता है कि ऊर्जा संसाधनों का उपयोग उसकी विदेश नीति के औजार के रूप में हो। रूस को कमजोर करना, चीन को नियंत्रित करना और भारत को अपने खेमे में बनाए रखना, यह उसकी रणनीति है। लेकिन नया विश्व, जिसे हम कहते हैं, अब इस दबाव को स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है। भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका जैसे देश अब बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं। इन देशों की आवाज अब संयुक्त राष्ट्र और जी-20 जैसे मंचों पर गूंज रही है। तेल पर प्रतिबंध लगाना या टैरिफ के माध्यम से दबाव बनाना वास्तव में विकासशील देशों को पीछे धकेलना है। ऊर्जा के बिना विकास असंभव है। यदि भारत को सस्ता तेल रूस से मिलता है, तो इससे उद्योग को राहत मिलेगी, महंगाई नियंत्रित होगी और विकास तेज होगा।

अमेरिका का यह कहना कि भारत मुनाफा कमा रहा है, दरअसल उसकी अपनी खीझ का परिणाम कहा जा सकता है। अमेरिका को आज यह स्वीकार करना होगा कि हर देश अपने हित में काम करता है। भारत का रूस से तेल खरीदना न तो अनुचित है और न ही गैरकानूनी। यह पूरी तरह व्यावहारिक और आवश्यक कदम है। इसलिए अमेरिका को भारत की तेल खरीद पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

अब तक का सबसे रोचक उपराष्ट्रपति पद का चुनाव?

संसद का मानसून सत्र शुरू होने के तुरंत बाद राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा हो गया। जिसके कारण रिक्त पद पर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव होने जा रहा है। इस्तीफा देने के बाद से पूर्व उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़ अज्ञातवास में है। इस्तीफा के कारणों को लेकर भी तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इसी बीच उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई। संसद के दोनों सदनों में पहले ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद एसआईआर को लेकर दोनों सदनों में हंगामा होता रहा। सरकार ने बिना चर्चा के एक दर्जन से ज्यादा बिल हंगामा के बीच पास कर दिये। ऑपरेशन सिंदूर में दोनों सदनों में लगभग 16-16 घंटे की चर्चा हुई। इसके अलावा संसद में कोई कामकाज नहीं हुआ। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में जिस तरह की तनातनी चल रही है। इस बीच सरकार ने एक नया बिल पेश किया। इस बिल को जेपीसी के पास भेज दिया गया है। यदि यह बिल पास हो जाता है, तो केंद्र में जो भी सरकार होगी। वह विपक्षी दलों की राज्य सरकारों को या किसी भी प्रदेश की राजनीति को अपने ढंग से चलाने में सक्षम हो जाएगी। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय द्वारा विपक्षी दलों के नेताओं पर 5000 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिनकी जांच चल रही है। कई नेता और अधिकारी जो नया बिल सरकार लेकर आ रही है उसके अनुसार 30 दिन कोई भी मुख्यमंत्री, मंत्री अथवा प्रधानमंत्री हिरासत में रहता है। ऐसी स्थिति में उसे उसके पद से हटाया जा सकता है। ईड़ी का जो कानून है, उसके अनुसार न्यायालय से जमानत मिलने का कोई प्रावधान नहीं है। ईड़ी के पास असीमित शक्तियां हैं। पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों के नेताओं के ऊपर जिस तरीके की कार्रवाई हुई है। उन्हें न्यायालय से जमानत नहीं मिल पाई। कई राज्यों में ईड़ी के कारण विपक्षी दलों की सरकार गिर गई या राजनीतिक अस्थिरता फैल गई। इस बिल को सभी क्षेत्रीय राजनीतिक दलों और विपक्षी दलों में इस बात का भय उत्पन्न हो गया है। यह बिल पास हो जाएगा, उसके बाद देश में विपक्षी राजनीतिक दलों और क्षेत्रीय दलों का कोई काम नहीं रह जाएगा। ऐसे विषम स्थिति पर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव होने जा रहा है। सत्ता पक्ष की ओर से महाराष्ट्र के राज्यपाल राधाकृष्णन को चुनाव मैदान में उतरा गया है। वह संघ एवं भाजपा से कई दशकों से जुड़े हुए हैं। झारखंड में हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री रहते हुए राजभवन से गिरफ्तार किया गया था। तब वह झारखंड के राज्यपाल थे। जगदीप धनखड़ भी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे। उन्हें प्रधानमंत्री मोदी ने उपराष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ाकर राज्यसभा का सभापति बना दिया था। राज्यसभा में उन्होंने किस तरीके से काम किया है। यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष जिस तरह से सरकार के ही इशारे पर संसदीय कार्य करते हैं। उससे संसदीय परंपरा मैं विपक्ष मरणासन्न अवस्था में पहुंच गया है। वर्तमान स्थिति में मोदी सरकार गठबंधन की सहायता से चल रही है। राहुल गांधी ने लोकसभा 2024 और विधानसभाओं के चुनावों में जिस तरह की गड़बड़ियों हुई हैं। इसको उजागर कर चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। सभी विपक्षी राजनीतिक दल, चुनाव आयोग के खिलाफ एकजुट है। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चल पा रही थी। इसी बीच सरकार द्वारा जो बिल संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किया गया है। उसमें 30 दिन तक कोई भी मुख्यमंत्री अथवा मंत्री गिरफ्तार किया जाता है, 30 दिन हिरासत में रहता है। ऐसी स्थिति में उसे बर्खास्त किया जा सकता है। इसको लेकर एनडीए गठबंधन में शामिल राजनीतिक दल भी सरकार के इस बिल को लेकर कहीं ना कहीं संसय में आ गए हैं। सत्ता पक्ष ने तमिलनाडु के सीपी राधा कृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में उम्मीदवार बनाया है। इंडिया गठबंधन में फूट डालने और सत्ता पक्ष ने तमिल की राजनीति में एक दांव चला था। विपक्ष ने उसकी पहचाना, विपक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जो आंध्र प्रदेश से आते हैं। उन्हें उम्मीदवार बनाकर सत्ता पक्ष को कड़ी चुनौती दे दी है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में शह और मात का जो खेल शुरू हुआ है, उसका परिणाम क्या होगा, कहना मुश्किल है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के दोनों उम्मीदवार एक दूसरे को कड़ी प्रतिस्पर्धा दे रहे हैं। जिस तरह का संघर्ष सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच देखने को मिल रहा है वह रोमांचकारी है। विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ सीधी लड़ाई में जनता की अदालत में लड़ाई लड़ रहा है। सत्ता पक्ष अभी तक संवैधानिक संस्थाओं और अदालतों के पीछे छिपकर जो खेल खेल रहा था, उसे विपक्ष ने समझ लिया है। विपक्ष जनता की अदालत में जाकर आर-पार की लड़ाई लड़ने की तैयारी में जुट गया है। चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर को लेकर जो नियम और कानून बनाए थे। राहुल गांधी ने कर्नाटक की एक लोक सभा सीट के एक विधानसभा सीट में चुनाव आयोग द्वारा की गड़बड़ी उजागर किया है। संविधान और लोकतंत्र बचाने यह की एक लड़ाई बना दिया है। इस लड़ाई में उपराष्ट्रपति पद का चुनाव देश के भविष्य को तय करेगा। इसमें कोई संदेह नहीं है।

संपादकीय

आध्यात्मिकता में माता-पिता का सर्वश्रेष्ठ स्थान- बड़े बुजुर्ग वृद्धजन ईश्वर अल्लाह का रूप

वैश्विक स्तरपर भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता में आस्था जग प्रसिद्ध है। अपने माता- पिता और बड़े बुजुर्गों का जितना सम्मान भारतीय संस्कृति में सदियों से प्रवाहित हो रहा है, शायद दुनियाँ में कहीं नहीं देखने को मिलेगा। परंतु दुर्भाग्य से कहना पड़ रहा है कि माता-पिता बड़े बुजुर्गों के सम्मान की इतनी धारदार कट्टरता अभी कुछ वर्षों से तीव्रता से कम होती जा रही है। याने पाश्चात्य संस्कृति की छाया भारतीय समाज में तीव्रता से बढ़ती जा रही है। आज माता-पिता अपने बच्चों को अपना पेट काटकर ऊंचे से ऊंची शिक्षा दिलाकर डॉक्टर इंजीनियर सीए सहित अनेक प्रोफेशनल डिग्रियां दिलाकर उच्च मुकाम पर पहुंचा रहे हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि कुछ अपवादों को छोड़कर उन्हीं नवयुवकों द्वारा अपने अपने माता-पिता को छोड़कर अपनें भविष्य, अपनी जिंदगी,अपनी लाइफ स्टाइल के नाम पर बड़े शहरों, विदेशों में जॉब के नाम पर जाकर वहीं सेट हो जाते हैं। अनेक युवा वहीं शादी कर लेते हैं तो कुछ अपने नाटिव स्थान पर शादी करके फैमिली सहित वापस बड़े शहर या विदेश में चले जाते हैं और बेचारे मां-बाप वहीं अपनी तंगी हालत में जीते हैं। ऐसे अनेक हकीकत किस्से हर शहर, गांव में आम होते जा रहे हैं हमारी कॉलोनी में भी कई किस्से मेरी नजरों के सामने हैं जो बेचारे फटी पेंट या धोती पहन कर गुजारा कर रहे हैं और उनके बच्चे ब्रांडेड चीजों को वापरकर अपनी पाश्चात्य लाइफ स्टाइल जी रहे हैं जिसका कोई फायदा नहीं है। मेरा मानना है कि ऐसे युवक इस नाइंसाफी का बीज बो रहे हैं जो आगे चलकर अपने बच्चों से वटवृक्ष के रूप में परेशानियों से भरा पाएंगे। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे आओ अपने माता-पिता बड़े बुजुर्गों वृद्धजनों का सम्मान और उनकी देखभाल करें। साथियों बात अगर हम आध्यात्मिक आस्था की करें तो, हम लोग पूजा-पाठ बहुत करते हैं, लेकिन हमें सकारात्मक फल नहीं मिल पाते हैं। मेरा मानना है कि सिर्फ पूजा से जीवन में सुख-शांति नहीं मिल सकती है। अपना आचरण भी अच्छा बनाए रखना जरूरी है। हम लोग माता-पिता का सम्मान नहीं करते हैं और सिर्फ पूजा-पाठ करते हैं, तो हमें सुख शांति नहीं मिल पाती है। देवी-देवता भी उन्हीं लोग पर कृपा करते हैं जो अपने माता-पिता का पूरा सम्मान करते हैं और उनके सुख-दुख का ध्यान रखते हैं। साथियों बात अगर हम हमारे शास्त्रों में बुजुर्गों के सम्मान की करें तो,यजुर्वेद का उल्लेख, हमारे शास्त्रों में भी बुजुर्गों का सम्मान करने की राह दिखलायी गई है यजुर्वेद का निम्न मंत्र संतान को अपने माता-पिता की सेवा और उनका सम्मान करने की शिक्षा देता है- यदापि पोष मातरं पुत्रः प्रभुदितो धयान्। इतदगे अनृणो भवाम्यहतौ पितरौ ममां॥ अर्थात जिन माता-पिता ने अपने अथक प्रयत्नों से पाल पोसकर मुझे बड़ा किया है, अब मेरे बड़े होने पर जब वे अशक्त हो गये हैं तो वे जनक-जननी किसी प्रकार से भी पीड़ित न हों, इस हेतु मैं उसी की सेवा सत्कार से उन्हें संतुष्ट कर अपा आनृश्य (ऋण के भार से मुक्ति) कर रहा हूँ। आज अंतरराष्ट्रीय स्तरपर हम मनीषियों को को यह समझने की जरूरत है कि वरिष्ठ नागरिक, वृद्धजन, बड़े बुजुर्ग हमारे समाज की अनमोल विरासत होते हैं, उन्होंने अपने समाज और देश को बहुत कुछ दिया है।

(आस्था)

अमावस्या पर बिल्कुल भी न करें ये काम, वरना नाराज हो जाएंगे पितृ, रुक सकती है तरक्की...

हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि का विशेष महत्व बताया गया है। पंचांग के अनुसार, इस साल भाद्रपद अमावस्या 23 अगस्त, शनिवार को पड़ रही है। शनिवार पड़ने की वजह से इसे शनि अमावस्या के नाम से भी जाना जाएगा। भाद्रपद मास की अमावस्या को कुशग्रहणी अमावस्या तथा पिठोरी अमावस्या भी कहा जाता है। यह तिथि पितृ कृपा पाने के लिए अत्यंत शुभ मानी जाती है। इस दिन पितरों की पूजा, श्राद्ध और तर्पण करने का विधान है। वहीं, इस दिन गंगा स्नान, दान-पुण्य और पितरों का तर्पण करने से समस्त पितृ दोष शांत हो जाते हैं। हालांकि अमावस्या के दिन कुछ कार्यों को करना वर्जित माना गया है। शास्त्रों के अनुसार इन कार्यों से पितरों की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है। ऐसे में आइए जानते हैं कौन से हैं ये कार्य

इस दिन नए काम की शुरूआत न करें भाद्रपद अमावस्या का दिन पितरों की पूजा और भगवान की भक्ति के लिए अत्यंत पवित्र माना गया है। ऐसी मान्यता है कि इस तिथि पर श्रद्धापूर्वक तर्पण, पिंडदान और दान-पुण्य करने से पूर्वज प्रसन्न होते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। लेकिन शास्त्रों के अनुसार अमावस्या तिथि पर किसी भी नए कार्य की शुरूआत करना अशुभ माना जाता है। इसलिए इस दिन नए कार्य की शुरूआत करने से बचें। शनि अमावस्या पर करने जा रहे हैं पितरों का तर्पण? तो करें इस स्त्रोत का पाठ, पितर हो जाएंगे प्रसन्न तामसिक भोजन का सेवन न करें

शास्त्रों में अमावस्या तिथि को पवित्र माना गया है। इसलिए इस दिन खाने-पीने में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। मान्यता है कि अमावस्या पर तामसिक भोजन जैसे मांस, मदिरा, लहसुन और प्याज का सेवन वर्जित है। इसलिए अमावस्या तिथि पर सात्विक भोजन ही करें। इन कार्यों को भी न करें अमावस्या तिथि पर बाल और नाखुन काटना वर्जित माना जाता है। इसके साथ ही, इस दिन व्यक्ति को यात्रा करने से भी बचना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इस दिन यात्रा करने से वह सफल नहीं होती है।

आज का राशिफल

मेषः चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ ।

मेषः चूँकि यात्रा के लिहाज से आप अभी कुछ कमजोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। जिन लोगों ने लोन लिया था आज उन्हें उस लोन की राशि को चुकाने में दिक्कतें आ सकती हैं। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। जिंदगी के उतार-चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। आपका बदला हुआ बर्ताव उनके लिए खुशी का सबब साबित होगा। खुशमिजाज रहें और प्यार की राह में बाधाओं का सामना करने के लिए तैयार रहें। जरूरतमंदों की मदद करने की आपकी खासियत आपको सम्मान दिलाएगी।

वृषभ : उ, ई, ऐ, ओ, बा, बी, बे, बो ।

वृषभः किसी पुराने दोस्त से मुलाकात आपका मन खुश कर देगी। विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीका बदलकर पहल करें। जाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौके हैं- लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। खाली वक़्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी।

मिथुनः क, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा ।

मिथुनः आपके हँसी-मजाक का लहजा किसी दूसरे को आपकी तरह इस क्षमता को विकसित करने के लिए प्रेरित कर सकता है। आपसे उसे यह सबक मिलेगा कि जिंदगी की खुशी बाहरी चीजों में नहीं, बल्कि खुद के ही भीतर है। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आपके कामों के पीछे प्यार और दूरदृष्टि की भावना होनी चाहिए, न कि लालच का जहर। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं- लेकिन अपने साथी को छोटी-छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो ।

कर्कः धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। जिन लोगों ने लोन लिया था आज उन्हें उस लोन की राशि को चुकाने में दिक्कतें आ सकती हैं। शाम के समय सामाजिक गतिविधियाँ उससे कई बेहतर रहेंगी, जितनी आपने उम्मीद की थी। आज के दिन अपने प्रिय की भावनाओं को समझें। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। ऐसा लगता है कि आपके जीवनसाथी आज आपके ऊपर खास ध्यान देंगे। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

सिहंः मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे ।

सिंहः आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। घरेलू कामकाज आपको ज्यादातर वक़्त व्यस्त रखेंगे। समय, कामकाज, पैसा, यार-दोस्त, नाते-रिश्ते सब एक ओर और आपका प्यार एक तरफ, दोनों आपस में खोए हुए - कुछ ऐसा मिजाज रहेगा आपका आज। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे।

कन्याः टो, पा, पी,पू, ष, ण, ठ, पे, पो।

कन्याः आपको कामकाम के मोर्चे पर धक्का लग सकता है, क्योंकि आपकी सेहत आपके साथ नहीं है और इसके चलते आपको कोई जरूरी काम अधर में ही छोड़ना पड़ सकता है। ऐसे हालात में धैर्य और होशियारी से काम लें। आर्थिक जीवन में आज खुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी आज मुक्त हो सकते हैं। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद-विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ। आप जहाँ हैं वहीं रहेंगे, बावजूद इसके प्यार आपको एक नए और अनोखे लोक में ले जाएगा।

तुलाः रा, री, रू, रे, ता, ती, तू, ते ।

तुलाः बहुत ज्यादा रोमांच और दीवानगी की ऊँचाई आपके तंत्रिका-तंत्र को नुकसान पहुँचा सकती है। इन दिक़्कतों से बचने के लिए अपने जज्बात काबू में रखें। जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। आपके प्रिय का अस्थिर बर्ताव आज रोमांस को बिगाड़ सकता है। आज आपको अचानक किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है जिसकी वजह से घरवालों के साथ समय बिताने का आपका प्लान खराब हो सकता है।

वृश्चिकः तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू ।

वृश्चिकः सिर्फ आप जानते हैं कि आपके लिए क्या बेहतर है, इसलिए मजबूत और स्पष्टवादी बनें तथा फैसले तुरन्त लें और उनके परिणामों का सामना करने के लिए तैयार रहें। आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। घर में और आस-पास छोटे-मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे। सम्हल कर दोस्तों से बात करें, क्योंकि आज के दिन दोस्ती में दरार पड़ने की आशंका है। वक़्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक़्त बिताना पसंद करेंगे।

धनु : ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे ।

धनुः धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता जरूर दिलाएंगे। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आपके कामों के पीछे प्यार और दूरदृष्टि की भावना होनी चाहिए, न कि लालच का जहर। सिर्फ स्पष्ट समझ के माध्यम से आप अपनी पत्नी/पति को भावनात्मक सहारा दे सकते हैं। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं।

मकरः भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी ।

मकरः अपनी क्षमताओं को पहचानें, क्योंकि आपके अन्दर ताकत की नहीं बल्कि इच्छा-शक्ति की कमी है। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहें। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं।

कुंभः गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा ।

कुंभः अपने वजन पर नजर रखें और जरूरत से ज्यादा खाने से बचें। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। खुद को घरेलू कामकाज में लगाए रखें। साथ ही कुछ वक़्त अपने शौक के लिए भी जरूर निकालें, ताकि आपकी रफ़्तार बरकरार रहे और शरीर व मन चुस्त रहे। आज आप जीवन में सच्चे प्रेम की कमी का अनुभव करेंगे। ज्यादा चिंता न करें, हर चीज समय के साथ बदलती है और इसलिए आपकी रोमांटिक जिंदगी में भी बदलाव आएगा। आपका आकर्षक और चुम्बकीय व्यक्तित्व सभी के दिलों को अपनी तरफ खींचेगा।

मीनः दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची ।

मीनः अपने विचार व्यक्त करने में हिचकिचाएँ नहीं। आत्मविश्वास की कमी को खुद पर हावी न होने दें, क्योंकि यह सिर्फ आपकी समस्या को और जटिल बनाएगा, साथ ही आपकी तरक़्की में भी रोड़ा अटकाएगा। अपना आत्मविश्वास फिर से हासिल करने के लिए अपनी बात खुल कर कहें और परेशानियों का सामना होठों पर मुस्कुराहट के साथ करें। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएँ। दोस्तों का साथ राहत देगा। आपका संगी आपका भला सोचता है इसलिए कई बार आप पर गुस्सा भी कर बैठता है।

कैटी पेरी ने अपने लाइफटाइम्स टूर के दौरान अपनी बेटी के साथ बैकस्टेज क्वालिटी टाइम बिताया

गायिका-गीतकार कैटी पेरी अपने लाइव शोज़ में अपनी शानदार स्टेज प्रेज़ेंस के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में, गायिका ने अपनी बेटी डेज़ी डव ब्लूम के साथ बैकस्टेज खूब मस्ती की। कैटी पेरी की बेटी ऑरलैंडो ब्लूम के साथ रहती हैं। पीपल पत्रिका की रिपोर्ट के अनुसार, कैटी पेरी के चल रहे लाइफटाइम्स टूर के दौरान, माँ-बेटी की इस जोड़ी ने न्यूयॉर्क शहर के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में खूब मस्ती की जेम्स गन का कहना गायिका-गीतकार ने हाल ही में अपनी नन्ही परी की एक प्यारी सी तस्वीर शेयर की, जिसमें वह फायरवर्क गायिका के मिनी-मी वर्जन की तरह बेल्ट वाली इंद्रधनुषी धारियों वाली मेटैलिक ड्रेस, सफ़ेद मोज़े और काले मैरी जेन जूते पहने हुए दिखाई दे रही थी। पीपल के अनुसार, यह नन्ही परी एक छोटे से पिल्ले के खिलौने के साथ खेल रही थी, जिसमें पट्टा भी लगा हुआ था और उसकी माँ मुस्कुरा रही थी। 40 वर्षीय पेरी ने थाई-हाई ब्लैक बूट्स और रस्ट कलर की स्ट्रैपलेस ड्रेस पहनी थी। गायिका ने इंस्टाग्राम पर अपने हालिया टूर स्टॉप की तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, ईस्ट कोस्ट माफ़ कीजिए, मैंने वेस्ट कोस्ट के बेहतर होने के बारे में एक गाना लिखा था, लेकिन उसकी भरपाई के लिए ये रहा ईस्ट कोस्ट का धमाका।अमेरिका के आखिरी 5 शो अभी शुरू हो रहे हैं- रैले, नैशविले, अटलांटा, टैम्पा, मियामी । कैरोसेल में शामिल एक और तस्वीर में, डेज़ी बोस्टन के म्यूज़ियम ऑफ साइंस में एक लूनर मॉड्यूल के अंदर लेटी हुई दिखाई दे रही हैं (शायद ई.टी. ढूंढ रही हैं?)। और डेज़ी अकेली नहीं थीं जिन्हें पेरी अपनी यात्रा पर साथ लेकर आई थीं। गायिका ने एक प्यारा सा वीडियो भी शेयर किया जिसमें वे और ब्लूम के पूर्व प्रेमी का कुत्ता नगेट सो रहे हैं, और पूछ रहे हैं, नगेट, क्या तुम ठीक हो? क्या तुम्हारी रात लंबी रही।

रिलीज से पहले कानूनी पचड़ों में फंसी जॉली एलएलबी 3, अक्षय कुमार-अरशद वारसी को कोर्ट ने भेजा समन

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और अरशद वारसी की अपकमिंग फिल्म जॉली एलएलबी 3 रिलीज से पहले कानूनी पचड़ों में फंसती नजर आ रही है. दरअसल इस फिल्म के खिलाफ दायर एक याचिका के सिलसिले में पुणे सिविल कोर्ट ने अक्षय कुमार और अरशद वारसी को तलब किया है. जॉली एलएलबी 3 19 सितंबर को रिलीज़ होने वाली है.वकील वाजेद खान (बिडकर) और गणेश म्हस्खे ने एक याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि फिल्म के टीज़र में वकीलों और जजों को अपमानजनक तरीके से दिखाया गया है. उन्होंने दावा किया कि क्रिएटिविटी फीडम की आड़ में अभिनेताओं और फिल्म निर्माताओं ने अभद्र हास्य का इस्तेमाल करके कानूनी पेशे का मजाक उड़ाया है. मामले का संज्ञान लेते हुए, 12वीं जूनियर डिवीजन के सिविल जज जेजी पवार ने अभिनेताओं और फिल्म के निर्माताओं को समन जारी कर 28 अगस्त को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया है. वहीं याचिकाकर्ताओं ने फिल्म की रिलीज़ पर रोक लगाने की भी मांग की है।यह विवाद तब शुरू हुआ जब टीज़र में अक्षय कुमार और अरशद वारसी को वकीलों के बैंड पहने हुए फिल्म का प्रमोशन करते हुए दिखाया गया, जिसके बारे में याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि इससे पेशे की गरिमा को ठेस पहुंचती हैं. इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक वकील वाजेद खान बताया, इस फिल्म में सभी वकील जजों को मामू कहते हैं. यह न्यायपालिका का अपमान है. याचिकाकर्ता वकीलों में से एक ने आगे कहा, इसके अलावा, वकीलों को अदालत में ऐसे बहस करते दिखाया गया है जैसे कोई पारिवारिक झगड़ा हो. भले ही यह सटायरिकल हो, लेकिन यह पूरी लीगल कम्यूनिटी के लिए अपमानजनक है.पिछले हफ़्ते, मेकर्स ने अक्षय कुमार और अरशद वारसी स्टारर अपकमिंग फिल्म जॉली एलएलबी 3 का टीज़र रिलीज किया था. स्टार स्टूडियो18 द्वारा प्रजेंट सुभाष कपूर द्वारा लिखित और निर्देशित, और आलोक जैन व अजीत अंधारे द्वारा निर्मित, इस फिल्म में अक्षय कुमार और अरशद वारसी के अलावा सौरभ शुक्ला, हुमा कुरैशी, अमृता राव और गजराज राव भी हैं. ये फिल्म 19 सितंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज़ होगी।

आर्यन ने बताया कैसे तैयार हुई बैड्स ऑफ बॉलीवुड

भूषण।

शाहरुख खान जिस चीज के लिए इस वक्त सबसे ज्यादा एक्साइटेड हैं, वो है 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड'. जिस वेब सीरीज से उनके लाडले आर्यन खान डायरेक्शन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं. बीते दिन सीरीज का प्रीव्यू आया. 2 मिनट 37 सेकंड के वीडियो में बहुत सारे स्टार्स एक साथ देखने को मिले. हालांकि, इस प्रीव्यू लॉन्च के लिए खान परिवार ने एक इवेंट भी रखा. जहां शाहरुख ने बेटे आर्यन का स्वागत किया. और आर्यन खान ने बताया कि 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' को कैसे तैयार किया गया है.

प्रीव्यू लॉन्च के इवेंट में जब आर्यन खान ने बोलना शुरू किया, तो शाहरुख खान के लिए सबसे बड़ा प्राउड मोमेंट रहा. हर किसी ने शाहरुख को नोटिस किया जिस तरह से वो आर्यन की एक-एक बात को ध्यान से सुन रहे थे. पर डायरेक्शन की दुनिया में आ रहे आर्यन ने खुलासा किया कि इस प्रोजेक्ट पर 4 साल की मेहनत और हजारों टेक के अलावा भी बहुत चर्चा हुई है. जिसके बाद एक-एक सीन तैयार किया गया.

आर्यन खान कहते हैं कि- यह शो बनाने का सिर्फ एक ही मकसद था बहुत सारे लोगों को बहुत सारी जगहों पर बहुत सारा एंटरटेनमेंट पहुंचाया जा सके. चार साल की मेहनत, अनगिनत डिस्कशन और हजारों टेक्स के बाद यह शो फाइनली तैयार है. दरअसल इस सीरीज को गौरी खान ही प्रोड्यूस कर रही हैं. उनका प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट इससे जुड़ा है. साथ ही आर्यन ने उन लोगों का भी शुक्रिया अदा किया, जिनके बिना यह शो बनाना ही मुश्किल था. जिसमें नेटफ्लिक्स की टीम, रेड चिलीज की टीम, टी-सीरीज के मालिक कुमार, आर्यन की क्रिएटिव टीम भी शामिल है.दरअसल इस शो को लेकर आर्यन खान काफी फोकस्ड हैं. यही वजह है कि खुद बॉबी देओल ने कहा कि आर्यन ने उनसे खूब मेहनत कराई है. यहां तक कि शाहरुख खान बताते दिखे कि बॉबी देओल ने उन्हें एक दिन फोन किया था. साथ ही कहा- ये आर्यन बहुत टेक लेता है, इसे कुछ बोलो यार. दरअसल यह उनका पहला प्रोजेक्ट है. जिस में कई एक्टर्स हिस्सा ले रहे हैं. बड़ी बात यह है कि करोड़ों रुपये खर्च भी हुए हैं, जिसके बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं.

शाहरुख खान की बेटी अपना एक्टिंग डेब्यू कर चुकी हैं. अब बारी है बेटे के डायरेक्शन डेब्यू की. 1997 में जन्मे आर्यन 27 साल के हैं. लंबे वक्त से लोग उन्हें एक्टिंग में देखना चाहते थे. पर उन्होंने अपने लिए एक अलग राह चुनी है. यूं तो प्रीव्यू के अनाउंसमेंट वीडियो में एक्टिंग करते दिखे थे. जिन्हें देख लोगों ने कहा कि आर्यन को एक्टिंग करनी चाहिए. पर फिलहाल अपने शो को लेकर माहौल सेट कर रहे हैं।

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म थामा का टीजर हुआ रिलीज

%थामा% का टीजर रिलीज हो गया है. इसमें आपको मैडॉक फिल्म्स के स्त्री यूनिवर्स से जुड़ी एक नई दुनिया में झांकने का मौका मिलेगा. ये दुनिया है वैम्पायर की, जिसमें अजब-गजब चीजें हो रही हैं. टीजर की शुरुआत नदी और पहाड़ के खूबसूरत व्यू से होती है. इसके बाद आपको रश्मिका और आयुष्मान जंगल में नजर आएंगे.टीजर में आपका सामना नई दुनिया के नए किरदारों और नए खतरे से होता है, जो जंगल में इतनी तेज कलाबाजियां खा रहा है कि उसे ठीक से देख पाना मुश्किल है. आपसे वादा किया जाता है कि इस बार आपको एक %खूनी% प्रेम कहानी देखने को मिलेगी. अभी तक माना जा रहा था कि आयुष्मान खुराना इस फिल्म में वैम्पायर होंगे, लेकिन टीजर ने चीजें बदल दी हैं. टीजर देखकर लग रहा है कि रश्मिका मंदाना का किरदार असल में वैम्पायर है, जो बाद में आयुष्मान को भी अपने जैसा बना देती है.टीजर में आपको मंदिर, चमगादड़ और एक खून पीता शख्स भी देखने को मिलेगा. इसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी हैं, जो देसी वैम्पायर के रूप में आयुष्मान और रश्मिका की प्रेम कहानी और रोमांस देख अपना दिल बहला रहे हैं. परेश रावल, फैसल मलिक संग अन्य सितारे इसमें नजर आएंगे. साथ ही मलाइका अरोड़ा का डांस नंबर भी आपको इस फिल्म में देखने को मिलेगा. डायरेक्टर आदित्य सरपोतदार के निर्देशन में बनी इस फिल्म को दिनेश विजान और अमर कौशिक ने प्रोड्यूस किया है. फिल्म %थामा%, इस साल दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पवन सिंह और जरीन खान का नया गाना 'प्यार में हैं हम' हुआ रिलीज

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार और सिंगिंग सेंसेशन पवन सिंह इन दिनों अपने नए गाने को लेकर चर्चा में हैं। पवन सिंह का न्यू रोमांटिक सॉन्ग 'प्यार में हैं हम' रिलीज हो चुका है और रिलीज के साथ ही इस गाने ने इंटरनेट पर धूम मचा दी है। खास बात यह है कि इस गाने में उनके साथ नजर बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस जरीन खान नजर आ रही हैं। दोनों सितारों की जोड़ी ने स्क्रीन पर ऐसी केमिस्ट्री दिखाई है कि दर्शक बार-बार इस गाने को देखने और सुनने पर मजबूर हो गए हैं।

गाने के वीडियो में पवन सिंह और जरीन खान की रोमांटिक केमिस्ट्री गजब की लग रही है। पवन सिंह जहां अपनी दमदार आवाज से लोगों के दिलों पर राज कर रहे हैं, वहीं जरीन खान अपनी अदाओं और एक्सप्रेशंस से हर किसी का दिल चुरा रही हैं। दोनों का यह अंदाज फैन्स को काफी पसंद आ रहा है। गाने के बोल और इसकी धुन सीधे दिल को छू रहे हैं,और यही वजह है कि रिलीज होते ही यह यूट्यूब पर तेजी से ट्रेंड करने लगा है।

फैंस ने दिए ऐसे रिएक्शन

फैंस सोशल मीडिया पर लगातार इस गाने को लेकर रिएक्ट कर रहे हैं। किसी ने इसे साल का सबसे रोमांटिक गाना बताया, तो किसी ने पवन सिंह की आवाज और जरीन खान की जोड़ी को ब्लॉकबस्टर कॉम्बिनेशन कहा। गाने के कमेंट सेक्शन में हर जगह तारीफों की बौछार देखने को मिल रही है।

गाने की शूटिंग बेहद खूबसूरत लोकेशन पर की गई है, जो इसे और भी खास बना देती है। पवन सिंह ने इस गाने के जरिए बड़े ही दिलकश अंदाज में अपने प्यार का इजहार किया है और यही वजह है कि उन्होंने इसे नाम दिया 'प्यार में हैं हम'।

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अक्सर भोजपुरी और बॉलीवुड का मिलन देखने को मिलता है, लेकिन पवन सिंह और जरीन खान की जोड़ी ने इस बार कुछ अलग ही कर दिखाया है। यह कहना गलत नहीं होगा कि आने वाले दिनों में 'प्यार में हैं हम' हर म्यूजिक लवर की प्लेलिस्ट में शामिल होने वाला है।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में योगी सरकार शुरू करने जा रही बड़ा अभियान, डीएम को प्रतिदिन समीक्षा करने का निर्देश

लखनउ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में फार्मर रजिस्ट्री को लेकर बड़ा अभियान शुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 16 सितम्बर, 2025 से प्रदेश भर में विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत जिलाधिकारियों को फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति पर प्रतिदिन समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। राजस्व विभाग को निर्देश दिया गया है कि राजस्व अधिकारियों को मानक कार्यप्रणाली (एसओपी) उपलब्ध कराई जाए, ताकि अधिकार अभिलेख में मालिकों के नाम को आधार के अनुसार सही किया जा सके। प्रदेश में कुल 2.88 करोड़ से अधिक किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का लक्ष्य रखा गया है। इसके सापेक्ष अब तक 50 प्रतिशत से अधिक लगभग 1.45 करोड़ किसानों की रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है। किसानों की फार्मर रजिस्ट्री में अब तक बिजनौर जिला सबसे आगे है, जहां 58प्रतिशत से अधिक रजिस्ट्री पूर्ण हो चुकी है। इसके बाद हरदोई (57.84प्रतिशत), श्रावस्ती (57.47प्रतिशत), पीलीभीत (56.89प्रतिशत) और रामपुर (56.72प्रतिशत) टॉप-5 जिलों में शामिल हैं। जो किसान अभी तक रजिस्ट्री का हिस्सा नहीं हैं, उनके डाटा का फील्ड ऑफिसर्स द्वारा वेरिफिकेशन किया जा रहा है। इसमें अमरोहा, आजमगढ़, बलरामपुर, एटा और जौनपुर जैसे जिलों में 100 प्रतिशत वेरिफिकेशन पूरा हो चुका है। योगी सरकार ने जिलाधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों का 100प्रतिशत पंजीकरण अगली किस्त जारी होने से पहले पूरा हो। इसके साथ ही सभी जिलाधिकारियों को व्यापक आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) गतिविधियां चलाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

गुरुग्राम से नूंह तक अरावली में 10 हजार एकड़ में बनेगी जंगल सफारी ; रोजगार के भी बढ़ेंगे मौके

गुरुग्राम, एजेंसी। हरियाणा सरकार ने अरावली क्षेत्र में एक महत्वाकांक्षी जंगल सफारी परियोजना को मंजूरी दे दी है, जो राज्य को ईको-टूरिज्म के वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करेगी। पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने बुधवार को समीक्षा बैठक में बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से प्रेरित यह परियोजना, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार सृजन की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस परियोजना का शुभारंभ खुद प्रधानमंत्री मोदी के हाथों कराने की योजना है। जंगल सफारी गुरुग्राम और नूंह जिलों में लगभग दस हजार एकड़ के विशाल क्षेत्र में फैलेगी। पहले चरण में लगभग ढाई हजार एकड़ में काम शुरू होगा, जिसकी डिजाइनिंग और डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) अगले दो महीनों में तैयार कर ली जाएगी। मंत्री ने बताया कि परियोजना के लिए ग्लोबल टेंडर प्रक्रिया भी जल्द ही पूरी की जाएगी। परियोजना पहले पर्यटन विभाग के अंतर्गत थी, लेकिन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर अब इसकी जिम्मेदारी वन विभाग को सौंपी गई है। मंत्री ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में नागपुर की गोरेवाड़ा सफारी और गुजरात की वनतारा परियोजना का दौरा कर प्रेरणा ली है। बैठक में लाइफ साइंस एजुकेशन ट्रस्ट ने एक प्रेजेंटेशन दिया, जिसमें परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। अधिकारियों ने बताया कि यह परियोजना केंद्रीय जू प्राधिकरण और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के नियमों के अनुसार विकसित की जाएगी।यह एक बड़े निवेश की योजना है और इसके संचालन के लिए पीपीपी मॉडल पर संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। जिस तरह गुजरात ने अपनी परियोजनाओं के लिए समझौता ज्ञापन किए हैं, उसी तरह हरियाणा में भी इस प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जाएगा। राव नरबीर सिंह ने कहा कि अरावली ग्रीन वॉल परियोजना से स्वदेशी प्रजातियों का वनरोपण, मृदा स्वास्थ्य में सुधार, भूजल का पुनर्भरण और जैव विविधता का संरक्षण सुनिश्चित होगा। इससे न केवल पर्यावरण को मजबूती मिलेगी, बल्कि स्थानीय युवाओं को वन मित्र योजना की तरह हरित रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे।

पीएम-सीएम को हटाने वाले बिल को स्टालिन ने बताया काला विधेयक, अन्नामलाई का पलटवार

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को 130वें संविधान संशोधन विधेयक को राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ मामले थोपने और उन्हें पदों से हटाने वाला काला विधेयक बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 30 दिन की गिरफ्तारी का मतलब है बिना किसी मुकदमे या अदालती सजा के निर्वाचित मुख्यमंत्री को हटाना। हालांकि, यह भाजपा का एक फरमान मात्र है। तानाशाही इसी तरह शुरू होती है, वोट चुराओ, विरोधियों को चुप कराओ और राज्यों को कुचलो। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 में प्रधानमंत्री, मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को गंभीर अपराध के आरोपों में पद से हटाने का प्रावधान है।

संयुक्त संसदीय समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य होंगे और यह समिति अपनी रिपोर्ट अगले संसद सत्र के प्रथम सप्ताह के अंतिम दिन तक पेश करेगी। सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री ने कहा, 130वां संविधान संशोधन कोई सुधार नहीं है - यह एक काला दिन है और यह एक काला विधेयक है। मैं इस विधेयक की कड़ी निंदा

करता हूं, जो लोकतंत्र की जड़ों पर प्रहार करता है, और मैं सभी लोकतांत्रिक ताकतों से भारत को तानाशाही में बदलने के इस प्रयास के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान करता हूं।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री के तहत भारत को तानाशाही में बदलकर संविधान और इसकी लोकतांत्रिक नींव को अपवित्र करने का फैसला किया है। स्टालिन ने आरोप लगाया कि वोट चोरी के खुलासे के बाद, जिस जनादेश के आधार पर केंद्र में भाजपा सरकार बनी है, वही गंभीर सवालों के घेरे में है। द्रमुक प्रमुख ने कहा, इसकी (सरकार की) वैधता संदिग्ध है। धोखाधड़ी से जनादेश चुराने के बाद, भाजपा अब इस खुलासे से जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश में है। इसके लिए, वे 130वां संविधान संशोधन विधेयक लाए हैं।

उन्होंने कहा कि यह असंवैधानिक संशोधन निश्चित रूप से अदालतों द्वारा रद्द कर दिया जाएगा, क्योंकि दोष का निर्णय केवल मुकदमे के बाद ही किया जाता है, न कि केवल मामला दर्ज होने से। स्टालिन ने कहा कि यह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में क्षेत्रीय दलों को डराने का एक भयावह प्रयास है, जिनके नेता विभिन्न राज्यों में मुख्यमंत्री या मंत्री हैं। इसकी मंशा है कि हमारे साथ रहो वरना...। द्रमुक प्रमुख ने कहा, किसी भी उभरते तानाशाह का पहला कदम अपने प्रतिद्वंद्वियों को गिरफ्तार करने और पद से हटाने की शक्ति खुद को देना होता है। यह विधेयक ठीक यही करने का प्रयास करता है।

तमिलनाडु में भाजपा नेता के अन्नामलाई ने स्टालिन पर पलटवार करते हुए कहा कि 130वें संविधान संशोधन पर द्रमुक का विरोध कोई आश्चर्य की बात नहीं है, क्योंकि 'इंडिया' गठबंधन का एकमात्र संविधान भ्रष्टाचार ही है। स्टालिन को संबोधित करते हुए अन्नामलाई ने कहा कि धन शोधन के आरोपों में गिरफ्तार किए गए मंत्री को बिना विभाग के मंत्री के रूप में बनाए रखने से ज्यादा स्याह या अपमानजनक कुछ नहीं है और उन्होंने द्रमुक शासन को बेशर्म सरकार करार दिया। उन्होंने कहा, आपकी बेशर्म सरकार ने जेल से रिहा होने के बाद मंत्री थिरु सेंथिल बालाजी को उसी विभाग में बहाल कर दिया जो पहले उनके पास था। बाद में उच्चतम न्यायालय की कड़ी आलोचना के बाद उनसे मंत्रालय छीन लिया गया।

अन्नामलाई ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन के एक अन्य भ्रष्टाचार योद्धा, अरविंद केजरीवाल, भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाने के बावजूद कई महीनों तक मुख्यमंत्री के पद पर बने रहे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच लोकसभा में बुधवार को 'संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025', 'संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025' पेश किए।

जयपुर नगर निगम हेरिटेज में भाजपा चेयरमैन-पार्षदों का अपनी ही पार्टी पर भ्रष्टाचार का आरोप,धरने पर बैठे

जयपुर, एजेंसी। जयपुर नगर निगम हेरिटेज इन दिनों सियासी घमासान का अखाड़ा बना हुआ है। बुधवार को माहौल उस वक्त और गरमा गया जब बीजेपी के चेयरमैन और पार्षदों ने अपनी ही पार्टी की नगर निगम सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। 20 से ज्यादा बीजेपी पार्षदों ने मेयर और कमिश्नर पर गंभीर आरोप लगाते हुए निगम मुख्यालय में अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। हैरानी की बात यह रही कि इस दौरान पार्षदों ने भ्रष्टाचार मुक्त निगम की मांग उठाते हुए भजन तक गाए और मेयर-कमिश्नर की सद्बुद्धि की दुआ मांगी।

बीजेपी पार्षद सुभाष व्यास ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि मौजूदा बोर्ड के कार्यकाल में बस्सी सीतारामपुरा की 100 करोड़ रुपए की सरकारी जमीन गलत ढंग से पट्टों पर जारी कर दी गई। उन्होंने खुलकर कहा कि इस जमीन घोटाले में वही सभी लोग जिम्मेदार हैं, जिन्होंने फाइल पर साइन किए। व्यास ने मांग की कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी से हो और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने साफ कहा कि गलत तरीके से जारी किए गए पट्टों को तुरंत निरस्त किया जाना चाहिए।

पार्षद सुभाष व्यास ने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व कमिश्नर अरुण कुमार हसीजा ने साधारण सभा की बैठक में हर पार्षद के वार्ड में विकास कार्यों के लिए एक-एक करोड़ रुपए देने का ऐलान किया था। इन कामों को बाकायदा सैंक्शन भी किया गया था। लेकिन जैसे ही नए कमिश्नर निधि पटेल आईं, सभी विकास कार्यों पर रोक लगा दी गई। इतना ही नहीं, वार्डों की सफाई व्यवस्था के लिए जो कर्मचारी दिए गए थे, उन्हें भी हटा दिया गया। नतीजा यह हुआ कि वार्डों की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई।

गुस्साए पार्षदों ने निगम मुख्यालय में डेरा डाल दिया और साफ कहा कि जब तक उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं होती, वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। पार्षदों ने चेतावनी दी कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो वे भूख हड़ताल करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

बीजेपी चेयरमैन उत्तम शर्मा ने भी निगम प्रशासन पर करारा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सिविल लाइन जोन में करोड़ों रुपए की सरकारी जमीन पर फर्जी पट्टे जारी किए गए। शर्मा ने मांग की कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जहां वार्डों के विकास कार्य ठप पड़े हैं, वहीं खुलेआम भ्रष्टाचार का खेल चल रहा है।

एनडीए का बहुमत अस्थिर, इसलिए उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष से कर रहे संपर्क, सांसद का दावा

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बुधवार को दावा किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेता उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्षी दलों से संपर्क कर रहे हैं, क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन अपने बहुमत को लेकर आश्वस्त नहीं है। राउत ने दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया की संख्यात्मक ताकत बहुत कम नहीं है।

उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी नीत एनडीए के प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन के खिलाफ विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार हैं।

राउत ने कहा, राजग के पास (संसद में) बहुमत है... फिर भी, सत्तारूढ़ पक्ष के वरिष्ठ नेताओं ने इंडिया के नेताओं से संपर्क किया और उनसे राधाकृष्णन को वोट देने का अनुरोध किया। राज्यसभा सदस्य ने कहा, यदि आपके पास बहुमत है, तो आपको इंडिया के घटक दलों से संपर्क करने की आवश्यकता क्यों महसूस होती है? ऐसा इसलिए है क्योंकि आपका बहुमत अस्थिर है।

राउत ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन को महाराष्ट्र के राज्यपाल राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार चुनने से पहले विपक्ष से संपर्क

करना चाहिए था। उन्होंने संकेत दिया कि वह सर्वसम्मति से चुने जाने वाले व्यक्ति नहीं हो सकते थे।

राउत ने कहा, जब (राधाकृष्णन) वह झारखंड के राज्यपाल थे, तब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को राजभवन के अंदर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। उन्होंने (राधाकृष्णन) तब किसी भी संवैधानिक मानदंडों का पालन नहीं किया था। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि राधाकृष्णन ने ईडी अधिकारियों से यह नहीं कहा था कि वे जो कर रहे हैं, वह असंवैधानिक है। उन्होंने कहा, हमारी लड़ाई इस तरह की तानाशाही और इसका समर्थन करने वालों के खिलाफ है। उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव नौ सितंबर को होगा।

भारत में छिपी थी एफबीआई की मोस्ट वॉन्टेड भगोड़ी, अरेस्ट हुई सिंडी सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। एफबीआई यानी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन को बड़ी सफलता मिली है। ब्यूरो ने टॉप 10 भगोड़ों की सूची में शामिल सिंडी रॉड्रिगेज सिंह को भारत से गिरफ्तार कर लिया गया है। इस सफलता पर एफबीआई प्रमुख काश पटेल ने भारतीय अधिकारियों की भी तारीफ की है। सिंह पर अपने 6 साल के बेटे की हत्या के आरोप हैं। मामला 2023 का है। खबर है कि सिंह अमेरिका में कानूनी मामले से बचने के लिए भागकर अमेरिका आ गई थी।

सिंह के नाम पर मुकदमे से बचने के लिए भागने को लेकर एक एफबीआई वॉरंट और 10 साल से कम उम्र के बच्चे की हत्या के मामले में टेक्सास राज्य का एक वॉरंट है। यह मामला 20 मार्च 2023 में सामने आया था। उस दौरान टेक्सास डिपार्टमेंट ऑफ फैमिली एंड प्रोटेक्टिव सर्विसेज की तरफ से एक टीम सिंह के बेटे की जानकारी लेने गई थी। खास बात है कि बच्चा अक्तूबर 2022 से नहीं देखा गया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकारियों ने बताया था कि बच्चे को कई स्वास्थ्य संबंधी और शारीरिक परेशानियां हैं। इनमें डेवलपमेंटल डिसऑर्डर, सोशल डिसऑर्डर, पल्मोनरी इडेमा, बोन डेंसिटी और एस्टोपिया जैसी कई परेशानियां शामिल हैं। जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि सिंह गुमराह कर रही है और कह रही है कि उनका बेटा नवंबर 2022 से ही पिता के साथ मैक्सिको में है।

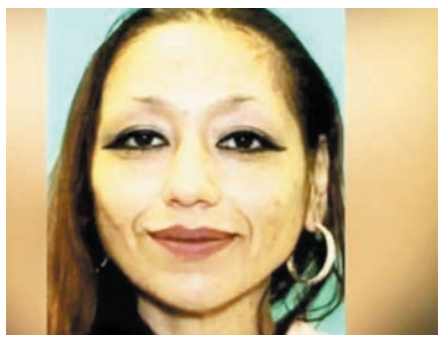

इसके दो दिनों के बाद 22 मार्च 2023 में सिंह, उसका पति और 6 बच्चों ने भारत के लिए उड़ान भरी। जांचकर्ताओं को पता चला कि गुमशुदा बच्चा फ्लाइट में नहीं हैं। इसके बाद जुलाई में सिंह को भगोड़ों की सूची में डाला गया।

ऐसे चढ़ी हत्थे

2 अक्टूबर 2024 को सिंह के खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस जारी हुआ था और सभी सदस्य देशों को भेजा गया था। उस दौरान भारत को प्रत्यर्पण से जुड़े दस्तावेज भी दिए गए थे, जिसके बाद उसकी गिरफ्तारी संभव हो सकी। पटेल ने कहा, ...टेक्सास, जहां से इस केस की शुरुआत हुई, वहां के स्थानीय साझेदारों, न्याय विभाग के साथ भारत में हमारे साझेदारों का धन्यवाद।

हमने न्याय के मंदिर तो बना दिए लेकिन दरवाजे बहुत संकरे रखे, सीजेआई गवई ने जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस बीआर गवई ने अदालतों में मुकदमों के बोझ पर चिंता जताई है और कहा है कि देश में पारंपरिक मुकदमेबाजी अकेले बोझ नहीं उठा सकती। उन्होंने बुधवार को कहा कि कानूनी सहायता और मध्यस्थता के जरिए प्रत्येक नागरिक के लिए न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है। 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' द्वारा आयोजित ''सभी के लिए न्याय-कानूनी सहायता और मध्यस्थता - बार और बेंच की सहयोगात्मक भूमिका'' व्याख्यान के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि हाशिये पर पड़े समुदायों के लिए न्याय का मार्ग जटिल और बाधाओं से भरा हो सकता है।

देश भर की अदालतों में लंबित मामलों की बढ़ती संख्या में बार और बेंच दोनों की भूमिका को रेखांकित करते हुए सीजेआई गवई ने कहा कि जहां हाई कोर्ट के कुछ न्यायाधीश वास्तव में मेहनती हैं... वहीं कुछ ऐसे भी हैं जिनका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक है। उन्होंने कहा, ''हमारा संविधान प्रत्येक नागरिक के लिए न्याय का वादा करता है। फिर भी व्यावहारिक

रूप से, न्याय का मार्ग लंबा और जटिल हो सकता है और इसमें कई बाधाएं आ सकती हैं। कई लोगों के लिए, विशेष रूप से हाशिये पर रहने वाले लोगों और कमजोर समुदायों के लिए, निष्पक्ष सुनवाई की यात्रा सामाजिक, आर्थिक और भौगोलिक बाधाओं से अवरुद्ध होती है।''बार और पीठ की सहयोगात्मक भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने वकीलों की भूमिका को रेखांकित किया, जिनके बारे में कहा गया कि वे न केवल व्यक्तिगत मुवक्किलों के प्रतिनिधि हैं, बल्कि न्याय के संरक्षक भी हैं। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को निष्पक्षता, समानता और उचित प्रक्रिया सुनिश्चित करने का गंभीर कर्तव्य सौंपा गया है। सीजेआई गवई ने ''न्याय के रथ'' को सुचारु रूप से चलाने के लिए न्यायाधीशों और वकीलों के बीच सामंजस्य पर जोर दिया।

सीजेआई ने कहा, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में, न्याय तक पहुँच हाल तक समृद्ध लोगों का एक विशेषाधिकार रही है। जब कानूनी फीस मासिक आय पर भारी पड़ जाए, जब प्रक्रियाएँ साक्षरता की माँग करें, जो लाखों लोगों के लिए अधूरी हो, जब अदालतों के गलियारे स्वागत से ज़्यादा डराने लगें, तो हम कठोर वास्तविक स्थिति का सामना करते हैं। हमने न्याय के मंदिर तो बनाए हैं लेकिन उसके दरवाजे उन्हीं लोगों के लिए बहुत संकरे हैं, जिनकी सेवा के लिए उन्हें बनाया गया था। न्याय का तराजू तब तक नहीं झुक सकता जब तक कि केवल एक पक्ष ही अपनी शिकायतें उस पर रखे।मुकदमों के इस ढेर के पीछे क्या कारण है, इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा, इसका उत्तर कई परस्पर जुड़े कारकों में निहित है, जिन पर सभी हितधारकों को स्पष्ट आत्मनिरीक्षण करना होगा। उन्होंने कहा, ''कानूनी सहायता योजनाएं इस सहयोगात्मक प्रयास की आधारशिला रही हैं। कानूनी सहायता यह सुनिश्चित करती है कि आर्थिक रूप से वंचित या सामाजिक रूप से हाशिये पर पड़े लोगों को हमारी कानूनी प्रणाली की जटिलताओं से निपटने में प्रतिनिधित्व, मार्गदर्शन या सहायता से वंचित न किया जाए।''

हालांकि, प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि कई पात्र नागरिक कानूनी सहायता योजनाओं के तहत अपने अधिकारों से अनभिज्ञ हैं। उन्होंने कहा, ''तेजी से बढ़ती आबादी और लगातार बढ़ते मुकदमों के बोझ वाले देश में, पारंपरिक मुकदमेबाजी अकेले बोझ नहीं उठा सकती। मध्यस्थता एक ऐसा रास्ता पेश करती है, जो विरोधात्मक नहीं है। यह पक्षों को सहयोगात्मक तरीके से समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित करती है। मैं वरिष्ठ अधिवक्ताओं को प्रोत्साहित करूंगा कि वे पक्षों का मध्यस्थता के माध्यम से अपने विवादों को सुलझाने के लिए सक्रिय रूप से मार्गदर्शन करें।''प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अदालती मुकदमेबाजी और मध्यस्थता दोनों में अक्सर लंबी प्रक्रियाएं, जटिल औपचारिकताएं और महत्वपूर्ण वित्तीय व्यय शामिल होते हैं।

दोस्ती के बाद शादी फिर पहचानने से मना करने लगा युवक, झारखंड से यूपी आई प्रेमिका धरने पर बैठी

सोनभद्र, एजेंसी। झारखंड की अनपरा थाना क्षेत्र की एक युवती की यूपी के सोनभद्र के एक युवक से फेसबुक से दोस्ती हुई। दोस्ती प्यार में बदल गई और दोनों ने मंदिर में शादी भी कर ली और पति-पत्नी की तरह रहने लगे। कुछ दिन के बाद युवती अपने मायके चली गई। मंगलवार की रात जब वह घर पहुंची तो युवक ने उसे पहचानने से इनकार कर दिया। युवती उसके दरवाजे पर धरने पर बैठ गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को काफी समझाया, लेकिन युवती घर में जाने के लिए अड़ी रही।

जानकारी के अनुसार झारखंड के गढ़वा की रहने वाली एक युवती की चार साल पहले फेसबुक के जरिए एनसीएल ककरी परियोजना में कार्यरत शशि कुमार से मुलाकात हुई थी। दोस्ती जब प्यार में बदली तो दोनों ने एक मंदिर में शादी कर ली। युवती ने बताया कि शादी के बाद वह शशि के साथ ककरी कॉलोनी के आवास में दस दिन तक पति-पत्नी की तरह रही। बाद में अपनी मां के कहने पर शाशि ने उसे मायके भेज दिया। आरोप है कि इसके बाद शशि ने अपना मोबाइल बंद कर लिया और संपर्क तोड़ दिया।

सोमवार सुबह जब वह दोबारा ककरी कॉलोनी पहुंची तो शशि ने दरवाजा बंद कर लिया और उसे पहचानने से इनकार कर दिया। इस पर युवती दरवाजे पर ही धरने पर बैठ गई। देर रात तक पुलिस प्रेमिका को समझाती रही। दोनों परिवारों की मदद से मामला सुलझाने को कहा गया। थानाध्यक्ष अनपरा एसपी वर्मा के अनुसार फिलहाल प्रेमिका अपने मामा के साथ वापस लौट गई। रविवार को दोनों पक्ष के लोग इस विवाद का हल निकालने की बात कह रहे हैं।

कहां हैं जगदीप धनखड़? ऐसी क्या नौबत आ गई कि एक शब्द भी नहीं बोल सकते: राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को केंद्र की भाजपा सरकार को कई मुद्दों पर घेरा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लेकसभा में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों को पद से हटाने से संबंधित पेश हुए बिल को लेकर सरकार की आलोचना की है और कहा है कि यह बिल देश को सदियों पुराने काल में ले जाने वाला है। वहीं इस दौरान उन्होंने देश के पूर्व उपराष्ट्रपति रहे जगदीप धनखड़ की सार्वजनिक गतिविधियों से दूर होने को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए।

विपक्ष के संयुक्त उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के सम्मान समारोह में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि धनखड़ के इस्तीफे के पीछे एक कहानी है। राहुल गांधी ने कहा, पुराने उपराष्ट्रपति कहां चले गए? वह क्यों छिपे हुए हैं? उन्होंने कहा, उनके इस्तीफे के पीछे एक बड़ी कहानी है। आप में से कुछ लोग इसे जानते होंगे, कुछ लोग नहीं जानते होंगे। लेकिन इसके पीछे एक कहानी है। और फिर एक कहानी है कि वह क्यों छिपे हुए हैं। भारत के

पूर्व उपराष्ट्रपति ऐसी स्थिति में क्यों हैं जहां वह एक शब्द भी नहीं बोल सकते और उन्हें छिपना पड़ रहा है। हम ऐसे समय में जी रहे हैं। राहुल गांधी ने बाद में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति आखिर छुपे हुए क्यों हैं? क्यों ऐसी नौबत आ

गई कि वो बाहर आ कर एक शब्द भी नहीं बोल सकते? सोचिए, हम कैसे समय में जी रहे हैं।

गौरतलब है कि भारत के 14वें उपराष्ट्रपति रहे जगदीप धनखड़ ने बीते महीने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पद से इस्तीफा दे दिया था। इस्तीफे के बाद से उनकी ओर से अब तक ना ही कोई सार्वजनिक बयान आया है और ना ही उन्होंने किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया है जिसके बाद उनके इस्तीफे को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। इस बीच बीते दिनों मीडिया रिपोर्ट्स में यह बात सामने आई है कि पूर्व उपराष्ट्रपति फिलहाल उपराष्ट्रपति आवास में ही हैं।

इससे पहले कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने संविधान (130वां संशोधन) विधेयक को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह बिल मेडिवियल पीरियड में वापस ले जाने वाला बिल है। राहुल गांधी ने कहा, भाजपा जो नया विधेयक पेश कर रही है, उसे लेकर काफी चर्चा हो रही है। हम मध्ययुगीन काल में वापस जा रहे हैं, जब राजा अपनी मर्जी से किसी को भी हटा सकता था। चुनाव का कोई कॉन्सेप्ट नहीं होता था। उसे आपका चेहरा पसंद नहीं आया, वह ईडी को केस दर्ज करने को कहेगा और फिर एक लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित व्यक्ति को 30 दिनों के भीतर हटा दिया जाएगा।

पाकिस्तान की टीम की तरह उसका कप्तान भी फिसड्डी, सवालों के घेरे में सलमान आगा की कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 के लिए पाकिस्तान की टी20 टीम का एलान हो चुका है। नौ सितंबर से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टीम की कमान सलमान अली आगा को सौंपी है, जिनका टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर अब तक फ्लॉप ही रहा है। इस टीम में बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान जैसे स्टार खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि पीसीबी ने दोनों को इस प्रारूप की रणनीति से साइडलाइन कर दिया है।

लय से बाहर चल रही टीम

पाकिस्तान के 17 सदस्यीय स्क्वॉड में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का मिश्रण है। हालांकि, टीम अभी लय से बाहर चल रही है। हाल ही में उन्हें बांग्लादेश दौरे पर तीन मैचों की टी20 सीरीज में मुंह की खानी पड़ी थी। इसके बाद टीम ने वापसी की और वेस्टइंडीज को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में हराया। हालांकि, टी20 सीरीज की हार का बदला वेस्टइंडीज की टीम ने वनडे सीरीज में जीत के साथ लिया। ऐसे में पाकिस्तान का एशिया कप में सफर कैसा होगा, इस पर चर्चा तेज है।

पाकिस्तान के मुकाबले

पाकिस्तान की टीम अपने अभियान की शुरुआत 12 सितंबर से ओमान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इसके बाद उसका सामना दुबई में भारत से होगा। ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान की टीम तीसरा मैच यूएई के खिलाफ खेलेगी, जो दुबई में ही 17 सितंबर को खेला जाएगा। सुपर-4 के मुकाबले 20 सितंबर से शुरू होंगे जबकि फाइनल मैच 28 सितंबर को खेला जाएगा।

इन आंकड़ों के आधार पर चुना कप्तान?

पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा के टी20 करियर की बात करें तो उनके आंकड़े बिल्कुल भी कप्तानी के लायक नहीं हैं। 20 मुकाबलों में उन्होंने कुल 380 रन बनाए हैं, यानी मुश्किल से औसत 27.1 का रहा है। टी20 जैसे प्रारूप में जहां बल्लेबाजों से 140-150 के स्ट्राइक रेट की उम्मीद की जाती है, वहां आगा मुश्किल से 115.8 के स्ट्राइक रेट को छू सके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी सिर्फ 56 रन ही है। वहीं, गेंदबाजी की बात करें तो 20 मैचों में उन्होंने सिर्फ चार विकेट झटके हैं और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1/7 का है।

अब कप्तानी पर नजर डालें तो आगा ने 18 मैचों में पाकिस्तान की कमान संभाली, जिसमें नौ जीते और इतने ही हारे। यानी न टीम आगे बढ़ पाई, न कोई स्थिरता आई। उनकी कप्तानी में कोई बड़ा बदलाव या आक्रामक रणनीति नजर नहीं आई। इन आंकड़ों से साफ है कि सलमान अली आगा न बल्लेबाजी में धमाल मचा पाए हैं, न गेंदबाजी में और न ही कप्तानी में कोई करिश्मा दिखा पाए हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि आखिर किन आधारों पर उन्हें टीम का कप्तान बनाया गया?

पांच खिलाड़ियों को पद्म पुरस्कार की सिफारिश

इनमें 4 पेरिस ओलिंपिक के मेडलिस्ट, वर्ल्ड चेस चैंपियन गुकेश का भी नाम

मनु भाकर
शूटिंग
2 ब्रॉन्ज

सरबजोत सिंह
शूटिंग
ब्रॉन्ज

स्वप्निल कुसाले
शूटिंग
ब्रॉन्ज

अमन सहरावत
रेसलिंग
ब्रॉन्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल मंत्रालय ने पांच खिलाड़ियों के नाम पद्म पुरस्कारों के लिए नामित किए हैं। इनमें चार खिलाड़ी मनु भाकर, सरबजोत सिंह, स्वप्निल कुशाले और अमन सहरावत पेरिस ओलिंपिक के मेडलिस्ट हैं। वहीं, एक नाम चेस के मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन डी. गुकेश का है। मंत्रालय के सूत्रों ने मीडिया को यह जानकारी दी है। मंत्रालय की ओर से ये नाम पद्म पुरस्कार समिति के पास भेजे गए हैं। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन 1 मई से 15 सितंबर के बीच करना होता है। पुरस्कार समिति 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) के मौके पर पुरस्कारों की घोषणा करती है। पिछले साल पूर्व हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को पद्म भूषण और दिग्गज स्पिनर आर अश्विन पद्मश्री मिला था।

मनु-गुकेश समेत 4 प्लेयर्स को खेल रत्न मिला था – 8 महीने पहले 17 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शूटर मनु भाकर, वर्ल्ड चेस चैंपियन डी गुकेश, हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरा एथलीट प्लेयर प्रवीण कुमार को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया था।

नीरज-श्रीजेश को पहले मिल चुका है पद्म पुरस्कार

भारत ने पिछले साल अगस्त-सितंबर में आयोजित पेरिस ओलिंपिक गेम्स में 6 मेडल जीते थे। इनमें एक सिल्वर, 5 ब्रॉन्ज शामिल रहे। पेरिस में भारत को मेडल दिलाने वाले खिलाड़ियों में नीरज चोपड़ा को पद्मश्री और हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश को पद्मभूषण मिल चुका है।नीरज चोपड़ा को 2022 में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने पद्मश्री प्रदान किया था। पद्म पुरस्कार समिति का गठन हर साल प्रधानमंत्री करते हैं। कैबिनेट सचिव इस समिति के अध्यक्ष होते हैं। इसमें गृह सचिव, राष्ट्रपति के सचिव और 4 से 6 मेंबर शामिल होते हैं। समिति की सिफारिशें अनुमोदन के लिए प्रधानमंत्री और भारत के राष्ट्रपति को प्रस्तुत की जाती हैं।

आईसीसी ने रैंकिंग में हुई गलती पर सफाई दी, बोला- गलती की जांच हो रही

यूएई(एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसि?ल (आईसीसी) ने बुधवार (20 अगस्त) को खिलाड़ियों की रैंकिंग अपडेट की, लेकिन इसमें एक बड़ा ब्लंडर कर दिया। वनडे रैंकिंग में रोहि?त शर्मा और विराट कोहली के नाम गायब थे। पिछले हफ्ते 13 अगस्त को जारी रैंकिंग में दोनों भारतीय बल्लेबाज टॉप-5 में शामिल थे। हालांकि, आईसीसी ने चार घंटे बाद ही गलती में सुधार किया और रैंकिंग अपडेट कर दी। अब आईसीसी ने इस मामले में सफाई दी है।

एशिया कप में पाकिस्तान से खेलेगा भारत

सरकार ने कहा- मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में खेलने पर रोक नहीं, द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलेंगे

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मुकाबले का रास्ता साफ हो गया है। सरकार ने गुरुवार को कहा है- 'मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में पाकिस्तान से खेलने पर रोक नहीं है।' मंत्रालय ने यह भी कहा कि बाइलैटरल सीरीज में इंडिया का स्टैंड बरकरार रहेगा। खेल मंत्रालय के एक अधिकारी ने मीडिया से एक लेटर साझा किया, इसमें इंटरनेशनल इवेंट्स के लिए भारत की पॉलिसी बताई गई है। इसके अनुसार, भारतीय टीमें पाकिस्तान में प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लेंगी और न ही पाकिस्तान की टीमों को भारत में खेलने की अनुमति दी जाएगी। लेकिन, इंटरनेशनल और मल्टीनेशनल इवेंट्स (चाहे भारत में हों या विदेश में) में भारत इंटरनेशनल खेल संस्थाओं के नियमों और अपने खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखकर निर्णय लेगा। भारतीय टीमें और भारतीय खिलाड़ी उन इंटरनेशनल इवेंट्स

में हिस्सा लेंगे, जिनमें पाकिस्तान की टीमें और खिलाड़ी भी शामिल होंगे। यह ठीक वैसा ही है, जैसे भारत में होने वाले मल्टीनेशनल इवेंट्स में पाकिस्तान की टीमें और खिलाड़ी भी भाग ले सकेंगे।

2 दिन पहले 19 अगस्त को बीसीसीआई ने एशिया कप में हिस्सा लेने के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया था। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद क्रिकेट एशिया कप में भारत के पाकिस्तान से खेलने का विरोध हो रहा है। इस संबंध में सदन में भी सवाल उठा था। पूर्व क्रिकेटर्स की भारतीय टीम ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में पाकिस्तान से खेलने से इनकार कर दिया था।

इस साल भारत क्रिकेट एशिया कप का मेजबान है। पाकिस्तान के भारत में खेलने से इनकार के बाद इसे श्रीलंका में आयोजित किया जा रहा है। टूर्नामेंट 9 सितंबर से शुरू होगा। टीम इंडिया का पहला मुकाबला 10 सितंबर को श्रीलंका से होगा।

भारत-पाकिस्तान के 3 मुकाबले हो सकते हैं

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच 3 मुकाबले हो सकते है। पहला मैच 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा।

दूसरा मैच- एशिया कप में लीग स्टेज के बाद सुपर-4 राउंड होगा। भारत-पाकिस्तान के सुपर-4 राउंड में पहुंचने पर 21 सितंबर को भारत-पाकिस्तान की दूसरी भिड़ंत हो सकती है।

तीसरा मैच – अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं, तो 28 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप में तीसरा मुकाबला खेला जाएगा।

क्या पाकिस्तान से खेलना भारत की मजबूरी, बीसीसीआई ने बताए न खेलने के 4 नुकसान

पाकिस्तान से आए आतंकियों ने भारत पर बड़ा हमला किया था। इस घटना के कुछ ही महीनों बाद भारत को पाकिस्तान से क्रिकेट सीरीज खेलनी थी। विपक्षी दलों ने सरकार को घेरना शुरू किया। वे पूछते – जो पाकिस्तान हमारा खून बहा रहा है उसके साथ हम क्रिकेट क्यों खेलना चाहते हैं? इसके बाद प्रधानमंत्री कार्यालय से खेल मंत्रालय को निर्देश आता है कि वे बीसीसीआई को कह दें कि भारतीय टीम पाकिस्तान के साथ मैच नहीं खेलेगी। यह वाकया 2008 का है। पाकिस्तान से आए आतंकियों ने 26 नवंबर को मुंबई में बड़ा हमला किया था। इसके बाद दिसंबर में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पाकिस्तान के साथ किसी भी द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज पर रोक लगा दी थी।अब सीधा 2025 में लौटते हैं। पाकिस्तान अब भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया है। पिछले 22 अप्रैल को वहां से आए आतंकियों ने कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोषों की धर्म पूछकर हत्या कर दी। इसके बाद मांग उठने लगी है कि भारत को अब न सिर्फ द्विपक्षीय सीरीज बल्कि एशिया कप और वर्ल्ड कप जैसे मल्टी नेशनल इवेंट में भी पाकिस्तान का बायकॉट करना चाहिए। 9 सितंबर से यूएई में एशिया कप होना है। भारतीय टीम घोषित हो गई है और इस टूर्नामेंट में तीन भारत-पाकिस्तान मैच संभव हैं। पाकिस्तान से खेलने या न खेलने पर सरकार की ओर से अब तक कोई बयान नहीं आया है। हालांकि, बीसीसीआई नहीं चाहता कि भारत एशिया कप में पाकिस्तान का बायकॉट करे। मीडिया ने इस मुद्दे पर बीसीसीआई के दो शीर्ष अधिकारियों से इसकी वजह पूछी। दोनों ने नाम सार्वजनिक न करने की शर्त पर 4 ऐसे कारण बताए जिनकी वजह से बीसीसीआई अब भी चाहता है कि एशिया कप हो और इसमें भारत-पाकिस्तान मुकाबले भी खेले जाएं...।

रोहित मैदान पर वापसी को बेकरार

इस टीम के खिलाफ जलवा बिखेरते आ सकते हैं नजर

मुंबई, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब टीम इंडिया को दिलाने वाले कप्तान रोहित शर्मा की नीली जर्सी में वापसी का बेसब्री से इंतजार क्रिकेट प्रेमियों को है। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से रोहित शर्मा ने कोई भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। लेकिन अब उनकी टीम इंडिया में वापसी की संभावना ऑस्ट्रेलिया दौरे (19 अक्टूबर से) के दौरान दिखाई दे रही है। हालांकि, रोहित शर्मा इस दौरे से पहले ही एक खास सीरीज में हिस्सा लेने की इच्छा जता चुके हैं, जो कानपुर में खेली जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ खेलने की इच्छा

टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जिसमें भारतीय टीम 3 वनडे और 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। इस वनडे सीरीज के लिए टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली के शामिल होने की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले 30 सितंबर से 5 अक्टूबर तक ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ कानपुर में होने वाली अनऑफिशियल वनडे सीरीज में खेलने की इच्छा जताई है। ऑस्ट्रेलिया-ए सितंबर में भारत दौरे पर आएगी, जहां वे भारत-ए टीम के साथ दो अनऑफिशियल टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलेंगी। दोनों टेस्ट मैच लखनऊ में आयोजित होंगे, जबकि तीनों वनडे मैच कानपुर में खेले जाएंगे।

विजय हजारे ट्रॉफी में भी खेलेंगे रोहित

रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि रोहित शर्मा इस अनऑफिशियल वनडे सीरीज में खेलने के इच्छुक हैं ताकि वे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अच्छी तैयारी कर सकें। इसके अलावा खबरें हैं कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज उनके वनडे करियर की आखिरी सीरीज हो सकती है। बीसीसीआई रोहित को दिसंबर 2025 में शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए भी प्रोत्साहित कर सकता है, ताकि वे वनडे टीम में अपनी जगह बनाए रखें।

वनडे में रोहित शर्मा का शानदार रिकॉर्ड

टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा का वनडे रिकॉर्ड बेहद प्रभावशाली है। अब तक उन्होंने 273 वनडे मैच खेले हैं, जिनमें 265 पारियों में 48.76 की औसत से 11,168 रन बनाए हैं। इसमें उनके 32 शतक और 58 अर्धशतक शामिल हैं। रोहित का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 264 रन है, जो वनडे इतिहास के सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर में से एक है।

रेड्डी ने विराट के साथ बिताए अपने खास पल का किया खुलासा

नितीश कुमार रेड्डी भारतीय क्रिकेट में तेजी से आगे बढ़े और जल्द ही उन्हें टी20 और टेस्ट कैप मिल गई। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ अपनी पहली टी20 सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया में इस ऑलराउंडर ने विराट कोहली के साथ खेला, जो अंतत : दिल्ली के इस महान बल्लेबाज की आखिरी टेस्ट सीरीज साबित हुई। नितीश रेड्डी को विराट कोहली से अपनी पहली टेस्ट कैप मिली और अब आंध्र प्रीमियर लीग के दौरान एक साक्षात्कार में नितीश रेड्डी ने कहा कि यह उनके आदर्श के साथ उनका सबसे खास पल है। भीमावरम बुल्स के कप्तान भी विराट कोहली के साथ बल्लेबाजी कर रहे थे, जब उन्होंने एडिलेड में अपना आखिरी टेस्ट शतक बनाया था और इसे एक और खास पल बताया। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, विराट भैया ने मुझे जो टेस्ट डेब्यू कैप दी थी, वह मेरे लिए एक बेहद खास पल था और एक और खास पल, विराट भैया का आखिरी टेस्ट शतक मैं उन्हें देखने के लिए नॉन-स्ट्राइकर एंड पर मौजूद था। इस तरह नितीश रेड्डी ने एक बार फिर विराट कोहली के प्रति अपने प्यार का इजहार किया है। इससे पहले भी इस ऑलराउंडर ने विराट कोहली के प्रति अपने लगाव का इजहार किया है और कहा है कि पूर्व भारतीय कप्तान और आरसीबी सुपरस्टार के साथ खेलना उनका सपना था। नितीश रेड्डी अब उम्मीद कर रहे होंगे कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी अच्छी शुरुआत को आगे बढ़ाएं और लंबे समय तक देश की सेवा करें। वह हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन चोटिल हो गए।

एशिया कप के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान, सलीमा टेटे को मिली कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे को चीन के हांगझोउ में पांच से 14 सितंबर तक होने वाले एशिया कप के लिए बृहस्पतिवार को 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान बरकरार रखा गया। यह टूर्नामेंट काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका विजेता 2026 एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगा। भारत को पूल बी में रखा गया है जहां उसका सामना जापान, थाईलैंड और सिंगापुर से होगा।

टीम अपने अभियान की शुरुआत 5 सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगी और फिर छह सितंबर को जापान से भिड़ेगी। भारत अपना अंतिम पूल मैच आठ सितंबर को सिंगापुर के खिलाफ खेलेगा। हॉकी इंडिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, 'हांगझोउ में होने वाले महिला एशिया कप के लिए हमने जो टीम चुनी है उसे लेकर हम उत्साहित हैं।

सलीमा पिछले साल कप्तान नियुक्त होने के बाद से टीम का अभिन्न अंग रही हैं। हरेंद्र ने कहा, 'यह टीम कड़ी मेहनत से प्रशिक्षण ले रही है और हमने अनुभवी खिलाड़ियों तथा युवा प्रतिभाओं के बीच सही संतुलन बनाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, 'हमारा ध्यान आक्रामक और अनुशासित हॉकी खेलने पर होगा और

हमारा मानना ??है कि यह टीम एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ मजबूती से मुकाबला करने की क्षमता रखती है।

टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण है जिसमें गोलकीपिंग की जिम्मेदारी बंसारी सोलंकी और बिचु देवी खारीबाम पर होगी। रक्षा पंक्ति में निक्की प्रधान और उदिता जैसी अनुभवी खिलाड़ी होंगी जिनका साथ

महिला एशिया कप के लिए भारतीय टीम

गोलकीपर – बंसारी सोलंकी, बिचु देवी खारीबाम

डिफेंडर – मनीषा चौहान, उदिता, ज्योति, सुमन देवी थोडम, निक्की प्रधान, इशिका चौधरी

मिडफील्डर –नेहा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सलीमा टेटे, शर्मिला देवी, लालरेमसियामी, सुनेलिटा टोप्पो

फारवर्ड – नवनीत कौर, रुतजा दादासो पिसल, ब्यूटी डुंगडुंग, मुमताज खान, दीपिका और संगीता कुमारी।

युवा मनीषा चौहान, ज्योति, सुमन देवी थोडम और इशिका चौधरी देंगी। मिडफील्ड में नेहा, सलीमा, लालरेमसियामी, शर्मिला देवी, सुनेलिटा टोप्पो और वैष्णवी विट्ठल फाल्के जैसी मजबूत खिलाड़ी हैं।

अग्रिम पंक्ति में अनुभवी और उभरते सितारों का मिश्रण है जिसमें नवनीत कौर, संगीता कुमारी, मुमताज खान, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग और रुतजा दादासो पिसल शामिल हैं।

प्रगतिरत नल जल योजनाओं को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण कराएं: कलेक्टर श्री विश्वकर्मा

■ रोड रिस्टोरेशन कार्य प्रभावी ढंग से किया जाए, ताकि नागरिकों को असुविधा या कठिनाई ना हो

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जल जीवन मिशन अंतर्गत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। जल जीवन मिशन अंतर्गत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जल जीवन मिशन के तहत एकल नलजल योजनाएं तथा समूह नलजल योजनाओं की विकासखण्डवार समीक्षा करते हुए कहा कि यह योजना शासन की अति महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके माध्यम से लोगों को घर-घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाया जा रहा है। नल जल योजनाओं में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाएं जिससे कि नागरिकों को इनका लाभ मिल सके। कार्य में किसी भी प्रकार कठिनाई या समस्या होने पर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराएं।

बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने विकासखण्डवार नल जल परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान उदयपुरा, बाड़ी, सांची, सिलवानी में नल जल योजनाओं की अपेक्षाकृत धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक मैनपावर और संसाधनों का समुचित उपयोग कर कार्य में गति लाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद संबंधित स्थानों का रिस्टोरेशन कार्य भी प्रभावी ढंग से किया जाए, जिससे नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा या कठिनाई ना हो। साथ ही जिन ग्रामों में कार्य पूर्ण हो चुके हैं वहाँ प्रति दिवस पानी की सप्लाई अंतिम छोर तक हो तथा इसके व्यवस्थित संचालन की निगरानी भी की जाए।

790 योजनाओं में से 464 योजनाएं पूर्ण हो गई हैं

बैठक में समीक्षा के दौरान पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री गिरीश काम्बले द्वारा बताया गया कि जिले के सभी विकासखण्डों में एकल नलजल योजना में स्वीकृत कुल 790 ग्रामों में 150392 परिवारों को शामिल किया गया है जिनमें से 112497 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन प्रदाय कर दिए गए हैं तथा शेष परिवारों को भी शीघ्र कनेक्शन प्रदान करने हेतु कार्य प्रगतिरत हैं। बैठक में बताया गया कि 790 योजनाओं में से 464 योजनाएं पूर्ण हो गई हैं तथा 120 एकल नलजल योजनाओं में 76 से 99 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गण है। इसी प्रकार 85 योजनाओं में 51 से 75 प्रतिशत कार्य और 70 योजनाओं में 50 प्रतिशत कार्य हो गया है। इनके अतिरिक्त 51 नलजल योजनाओं में कार्य की प्रगति 25 प्रतिशत तक है।

अधिकारियों को दिशा-निर्देश

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा जिले में मप्र जल निगम के तहत समूह जलप्रदाय योजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने पूर्ण हो चुकीं उदयपुरा और बेगमगंज-गैरतगंज समूह जल प्रदाय योजना की समीक्षा कर व्यवस्थित और सुचारू संचालन के निर्देश दिए। जल निगम के महाप्रबंधक श्री आरके चावला ने बताया कि जल निगम उदयपुरा समूह जलप्रदाय योजना के माध्यम से 108 ग्रामों में 92298 नागरिकों तथा बेगमगंज-गैरतगंज समूह जलप्रदाय योजना के माध्यम से 95 ग्रामों में 59646 नागरिकों को घर पर नल से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। बैठक में प्रगतिरत समूह जलप्रदाय योजनाएं यथा हलाली योजना, बेगमगंज एक्स-2 योजना, नर्मदा नदी योजना, गैरतगंज-सिलवानी योजना तथा बारना बांध योजना की विस्तृत समीक्षा करते हुए कार्य गुणवत्ता के साथ समयसीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में सहायक कलेक्टर श्री कुलदीप पटेल, संबंधित विभागों के जिला अधिकारी, पीएचई विभाग के सहायक यंत्री, उपयंत्री तथा जल समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

महिला नेतृत्व सामुदायिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित

सीहोर (निप्र)। डीएवाई-एनआरएलएमके तहत आयोजित नेशनल राइट शॉप ऑन जेंडर रिसोर्स सेंटर कार्यक्रम में देशभर के 20 राज्यों से आए एसआरएलएम प्रतिनिधियों ने भाग लिया। पहला सत्र भोपाल में संपन्न होने के बाद, गत दिवस बुधनी ब्लॉक स्थित लोक अधिकार केंद्र एलएके का प्रतिभागियों ने मेदानी दौरा किया। यह केंद्र उन्नति संकुल स्तरीय महिला संघ यूएनएनएटीआई सीएलएफ द्वारा संचालित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में तकनीकी साझेदार के रूप में टीआरआई और पीआरएडीएएन की भी अहम भूमिका रही। कार्यक्रम में उन्नति सीएलएफ अध्यक्ष, सामाजिक गतिविधि उपसमिति, जेंडर सीआरपी और सखी मंच की दीदियों ने सक्रिय भागीदारी की। यह आयोजन महिला नेतृत्व और सामुदायिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। कार्यक्रम में लोक अधिकार केंद्र की स्थापना, प्रक्रिया और केस प्रवाह से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। इसी क्रम में सामाजिक उपसमिति की भूमिका, ग्राम संगठन स्तर की कार्यप्रणाली और पंचायत स्तरीय जेंडर फोरम की सक्रियता पर भी विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम के दौरान आयोजित केस शेयरिंग सत्र में व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों स्तरों के अनुभव साझा किए गए। सत्र में अतिथियों ने महिलाओं के नेतृत्व, सामुदायिक भागीदारी और जेंडर समानता को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर एनइएमसीएचएएनडी जाटाव , जिला और एसआरएलएमटीम, चारों सीएलएफ के अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी मौजूद रहे। कार्यक्रम में उन्नति सीएलएफ अध्यक्ष और सामाजिक उपसमिति की दीदियों ने सहभागिता की।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से महिलाओं को मिल रहा आर्थिक सम्बल

रायसेन (निप्र)। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा संचालित की जा रही मुख्यमंत्री लाडली बहना योजनाए महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस योजना का लाभ पाकर महिलाएं आत्मनिर्भर बनने के साथ ही सशक्त भी हुई हैं। लाड़ली बहना योजना का लाभ पाकर महिलाओं के लिए जीवन में खुशियां आई हैं। यह कहना है बेगमगंज निवासी श्रीमती सरोज बाई का प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए श्रीमती सरोज बाई ने कहा कि अगस्त महीने में उन्हें योजना के तहत 1500 रू मिले है जिसमें मुख्यमंत्री द्वारा 250 रू रक्षाबंधन के उपहार के रूप में दिए हैं। सरोज बाई कहती हैं कि योजना के तहत हर महीने 1250 रू की राशि मिलने से उन्हें बच्चों की जरूरतें पूरी करने और छोटे.छोटे खर्चों में बहुत मदद हो जाती है। लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत मिलने वाली राशि में से कुछ राशि हम बचा लेते हैं जो हमारे आड़े वक्त में काम आएगा।

सीएमएचओ ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भौंरा और उप स्वास्थ्य केन्द्र कुण्डी का किया औचक निरीक्षण

बैतूल (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भौंरा एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र कुण्डी का औचक निरीक्षण किया। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भौंरा में निरीक्षण के दौरान सायंकालीन ओपीडी, एएनसी रजिस्टर, लेबररूम रजिस्टर देखा एवं संस्थागत प्रसव की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने सभी स्टाफ को निर्धारित समय पर ड्यूटी करने के निर्देश दिए। निर्माणाधीन उप स्वास्थ्य केन्द्र कुण्डी का निरीक्षण कर उसमें पाई कमियां पूर्ण करने एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र पहावाड़ी के सामने बनी नाली में वर्षाकाल में अत्याधिक पानी बह रहा था पानी की निकासी की व्यवस्था करने के लिए निर्माण ऐजेन्सी को निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत निरामयम योजना के अंतर्गत श्री रामाधार विश्वकर्मा का हर्निया का हुआ नि :शुल्क ऑपरेशन

बैतूल (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि बैतूल के भग्गूढ़ाना निवासी श्री रामाधार विश्वकर्मा 60 वर्ष को हर्निया की शिकायत थी। श्री रामाधार प्रायवेट चिकित्सक के पास जांच कराने पहुंचे जहां पर हर्निया होना बताया गया एवं ऑपरेशन की सलाह दी गई। जिसमें लगभग 30 से 35 हजार का खर्च बताया गया। श्री रामाधार विश्वकर्मा की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण हर्निया के आपरेशन करवाने का खर्च नहीं उठा पा रहे थे। श्री रामाधार 20 जुलाई 2025 को जिला चिकित्सालय बैतूल पहुंचे और शल्यक्रिया विशेषज्ञ डॉ रंजीत राठौर को दिखाया। जिला चिकित्सालय में श्री रामाधार की निःशुल्क जांच की गई, जिसमें पाया गया कि श्री रामाधार को हर्निया की शिकायत है। 22 जुलाई 2025 को शल्यक्रिया विशेषज्ञ डॉ रंजीत राठौर द्वारा प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत निरामयम योजना अंतर्गत निःशुल्क ऑपरेशन करने की सलाह दी गई एवं भर्ती कर 22 जुलाई 2025 हर्निया का ऑपरेशन किया गया। श्री रामाधार विश्वकर्मा ने कहा कि मैं अब पूर्ण रूप से स्वस्थ हूं। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिये प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना आसानी से इलाज उपलब्ध कराती है। वे निःशुल्क मिले उपचार के लिये शासन का धन्यवाद देते हैं।

जर्जर भवनों को गिराने की कार्यवाही की जाए

हरदा (निप्र)। जिले में स्थित जर्जर भवनों को गिराने की कार्यवाही की जाए ताकि जनहानि की संभावना न हो। यह निर्देश कलेक्टर श्री जैन मंगलवार को कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित समयावधि अंकित पत्रों की समीक्षा बैठक में जिले के अनुविभागीय अधिकारियों व मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को दिये। बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी को निर्देश दिये कि बच्चों के लिये आंगनवाड़ियों में पर्याप्त टेकहोम राशन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही आंगनवाड़ी केन्द्रों में सोलर पेनल लगाने की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश भी दिये। बैठक में अपर कलेक्टर श्री पुरूषोत्तम कुमार, एसडीएम हरदा श्री अशोक डेहरिया, एसडीएम टिमरनी श्री संजीव नागू, एसडीएम खिरकिया सुश्री शिवांगी बघेल, जिला पंचायत के प्रभारी सीईओ श्री प्रवीण इवने सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने सड़कों से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज लंबित शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के लिये अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होने कहा कि सीपी ग्राम, सीएम मॉनिट से संबंधित समस्याओं का भी समय सीमा में निराकरण कराएं। ग्राम चारूवा के हायर सेकण्ड्री स्कूल में नवोदय विद्यालय से सप्ताह में एक बार गणित एवं अंग्रेजी के शिक्षक उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में शासकीय भूमि अतिक्रमण से मुक्त कराए : कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस में हरदा, बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले के कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वे माननीय उच्च न्यायालय के निर्देश के परिपालन में शासकीय भूमि की सुरक्षा हेतु शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमणों को मुक्त कराए। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जहां-जहां शासकीय भूमि पर अतिक्रमण है उस भूमि को प्राथमिकता से अतिक्रमण मुक्त कराया जाए। जिन शासकीय भूमि पर अतिक्रमण है एवं उस भूमि पर कतिपय लोगों ने कब्जा कर मकान बना लिए हैं ऐसी भूमि का सर्वे कर, सर्व अनुसार शासकीय भूमि का खसरा नंबर मालूम कर एसडीएम को अतिक्रमण हटाने के निर्देश जारी करें। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम रक्षा दल भी गठित की जाए जो शासकीय भूमि पर हुए अतिक्रमण की सूचना प्रशासन को दे सके। इसके लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाने के निर्देश दिए। कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्देश दिए की आरसीएमएस में दर्ज अतिक्रमित भूमि पर भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने उक्त कार्रवाइयों के लिए आईटी का उपयोग कर सूचना तंत्र को मजबूत बनाने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि जिला स्तर पर गठित निगरानी एवं मॉनिटरिंग समिति में भी शासकीय भूमि पर हुए अतिक्रमण का एजेंडा शामिल कर इसकी नियमित रूप से समीक्षा की जाए। उन्होंने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए कि वह प्राथमिकता से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का क्रियान्वयन करना सुनिश्चित करें साथ ही निर्णित प्रकरणों में कलेक्टर एवं एसडीएम शासकीय भूमि का निरीक्षण करना भी सुनिश्चित करें। कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्देश दिए की सभी कलेक्टर्स अतिक्रमण के प्रकरण दर्ज कर अतिक्रमण कारियो पर अर्थ दंड की कार्रवाई भी अधिरोपित करें।

उद्यानकी फसलों के वास्तविक रकबे की सारा ऐप पर एंट्री करें : कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए की वह अपने राजस्व अमले को निर्देश जारी करें कि वह उघानकी फसलों एवं श्री अन्न फसलों के वास्तविक रकबे की एंट्री सारा एप में करना सुनिश्चित करें। बताया गया कि वर्तमान में नर्मदापुरम में उद्यानिकी फसलों का रकबा 1986 हेक्टेयर है इसमें से मात्र 28 हैक्टेयर के रकबे की ही सारा एप में एंट्री की गई है, वहीं बैतूल में 5400 हैक्टेयर में से 835 हेक्टेयर की एंट्री अभी तक सारा एप में की गई है। कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए की कई व्यक्ति खेत की बजाय अपने आवासीय परिसरों में भी सब्जी एवं अन्य उद्यानकी फसलों को लगाते हैं उनकी एंट्री सारा एप में संभव है कि नहीं यह भी सुनिश्चित की जाए।

विकास कार्यों के लिए शासकीय भूमि प्राथमिकता से आवंटित की जाए :

कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि विकास कार्यों एवं शासकीय प्रयोजनों के लिए शासकीय भूमि की आवश्यकता पड़ती है। अतः शासकीय भूमि प्राथमिकता से चिन्हित कर विकास कार्य एवं शासकीय प्रयोजन के लिए आवंटित की जाए। उन्होंने इस बात पर नाराजगी व्यक्त की कि बड़ी संख्या में भूमि आवंटन के प्रकरण लंबित हैं जिससे काफी प्रोजेक्ट रुके हुए हैं। उन्होंने भूमि आवंटन की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। दिव्यांग एवं अन्य हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से दिया जाए।

निजी स्कूलों व शासकीय कन्या आदिवासी छात्रावास हरदा में विधिक साक्षरता शिविर सम्पन्न

हरदा (निप्र)। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर एवं प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष श्रीमती तृप्ति शर्मा के मार्गदर्शन में मंगलवार को महर्षि कान्वेंट हायर सेकण्ड्री स्कूल, मॉडल पब्लिक स्कूल एवं शासकीय कन्या आदिवासी छात्रावास हरदा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित न्यायाधीश व सचिव श्री चंद्रशेखर राठौर ने बताया कि शिविर के आयोजन का उद्देश्य बच्चों के अधिकारों के बारे में लोगों को शिक्षित करना और बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में

जागरूक करने के लिए किया गया है। उन्होने इस दौरान विद्यार्थियों को नालसा मैत्रीपूर्ण विधिक सेवा योजना के तहत पॉक्सो एक्ट, पॉक्सो रूल्स तथा प्रतिकर से संबंधित अन्य कानूनी प्रावधानों एवं मध्यप्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, नालसा लैंगिक हमलों व अन्य अपराधों की पीड़िताओं व सर्वाईवर्स महिलाओं के लिए प्रतिकर योजना, की जानकारी दी। उनके द्वारा नालसा की ''संवाद योजना'' आदिवासी विद्यार्थियों को उनके विधिक अधिकारों के बारे में भी जानकारी दी गई। शिविर में उन्होने बच्चों को नालसा की ''डॉन योजना'' के अंतर्गत नशे से होने वाली शारिरिक,मानसिक व आर्थिक क्षति के बारे में भी जानकारी दी। उन्होने बताया कि आमजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा या अन्य विधिक सेवा संस्थान में उपस्थित होकर अथवा पत्र के माध्यम से या नालसा पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर अथवा 15100 पर कॉल कर विधिक सहायता आसानी से प्राप्त कर सकते है। कानूनी मामलों में विविध सलाह एवं परामर्श विधिक परामर्श केन्द्र से पूर्णतः निःशुल्क है।

पुस्तक मेला का आयोजन 23 से 29 तक

विदिशा (निप्र)। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास नई दिल्ली के तत्वाधान में विदिशा जिला मुख्यालय पर पुस्तक मेला का आयोजन 23 से 29 अगस्त तक रविन्द्रनाथ टैगौर, सांस्कृतिक भवन (आडिटोरियम) में आयोजित किया गया है। अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में बैठक आयोजित की गई थी जिसमें जिले के सभी शासकीय अशासकीय स्कूलो के प्राचार्यो, प्रतिनिधियों ने सहभागिता निभाई है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पुस्तक मेला का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार शैक्षणिक संस्थानो के माध्यम से भी किया जाए। पुस्तक मेले में स्कूली विद्यार्थियों का भ्रमण कराया जाए। इसके अलावा आयोजित होने वाली गतिविधियों में शासकीय अशासकीय स्कूलो के विद्यार्थी, प्रतिभागी बनें और आयोजनो को देखने के लिए गुरूजनों,परिवारिक सदस्यों के साथ आए के लिए भी अभिप्रेरित किया जाए। संयुक्त कलेक्टर एवं स्कूल शिक्षा विभाग की जिला नोडल अधिकारी श्रीमती शशि मिश्रा ने बताया कि सम्पूर्ण पुस्तक मेला अवधि के दौरान सायंकाल पांच बजे से आठ बजे तक कला एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की रूपरेखा बनाने एवं सहभागियों की स्केनिंग तथा चयन कार्य के लिए पृथक-पृथक नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए है।

20 राज्यों के अधिकारियों द्वारा किया गया नर्मदापुरम के लोक अधिकार केंद्र का भ्रमण

नर्मदापुरम (निप्र)। मंगलवार 19 अगस्त को नर्मदापुरम के स्व सहायता समूहों के संगठन द्वारा संचालित लोक अधिकार केंद्र के कार्यों को सीखने के लिए देश के 20 राज्यों से अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा भ्रमण किया गया। जिला पंचायत के मुख्य कार्य पालन अधिकारी श्री सौजान सिंह रावत के निर्देशन में नर्मदापुरम में विगत 2 वर्ष पहले लोक अधिकार केंद्र की स्थापना की गई थी।

जिसमें स्व सहायता समूहों की प्रशिक्षित दीदियों द्वारा महिलाओं के अधिकारों एवं सुरक्षा संबंधी विषयों पर कार्य किया जाता है। महिलाओं द्वारा घरेलू हिंसा, शासकीय योजनाओं के लाभ, अधिकारों आदि विषयों पर समूहों की बैठकों में चर्चा की जाती है। लोक अधिकार केंद्र की समता समन्वयक ,एवं समता सखियों के द्वारा बताया गया कि महिलाएं उनके पास अपनी समस्याएं व आवेदन लेकर आती हैं और वह सफलतापूर्वक उनका समाधान करती

हैं। जिले के सभी विकासखंड संचालित लोक अधिकार केंद्रों में अब तक लगभग 874 प्रकरण घरेलू हिंसा एवं अधिकारों तथा योजनाओं के लाभ संबंधी आवेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें से 493 आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया जा चुका है एवं अन्य प्रक्रियाधीन है। मौके पर उपस्थित ग्राम रंढाल के सरपंच द्वारा बताया गया कि उनके ग्राम में लोक अधिकार केंद्र का संचालन स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। हाल ही में उन्होंने स्कूल संबंधी समस्या का निराकरण महिलाओं के साथ मिलकर करवाया। साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर समस्याओं के समाधान हेतु जेंडर फोरम का गठन किया गया है जिसमें सरपंच स्कूल हेडमास्टर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा कार्यकर्ता एएनएम, एवं स्व समूह से चुने गए जेंडर पॉइंट पर्सन को शामिल किया गया है उनके द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर आने वाले विभिन्न आवेदनों प्रकरणों के संबंध में पंचायत स्तर पर ही समाधान कराया जाता है।

जिन प्रकरणों या समस्याओं का समाधान ग्राम पंचायत स्तर पर नहीं होता उनका लोक अधिकार केंद्र के माध्यम से विभिन्न विभागों को प्रेषित किया जाता है तथा विकासखंड स्तर पर भी जेंडर फोरम का गठन किया गया है जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष व विकास खंड स्तर के विभिन्न विभागों के विभाग प्रमुख को शामिल किया गया है। लोक अधिकार केंद्र के माध्यम से या ग्राम पंचायत स्तर पर जिन समस्याओं का समाधान नहीं होता है उन मुद्दों को जेंडर फोरम के समक्ष रखा जाता है जिससे कि उनका सरलता से समाधान किया जा सके। इसमें सभी विभाग प्रमुख अपने-अपने कार्य क्षेत्र के अनुसार आने वाले विभिन्न मुद्दों का निराकरण करते हैं। अलग-अलग राज्यों से आए प्रतिभागियों द्वारा लोक अधिकार केंद्र के संबंध में प्रश्न किए गए, जिसमें लोक अधिकार केंद्र की संरचना, अब तक आए प्रकरणों के संबंध में प्रश्न व निराकरण के तौर तरीके आदि के संबंध में प्रश्न किए। इस अवसर पर नेशनल टीम, राज्य, जिला व जनपद स्तर के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा कार्यशाला में उपस्थिति दी गई एवं समस्त राज्यों के प्रतिभागियों से चर्चा की। जिले में चल रहे लोक अधिकार केंद्र संबंधी कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। लोक अधिकार केंद्र संचालन के लिए राज्य व जिला स्तर पर उनके विभिन्न प्रशिक्षण आयोजित किए। लोक अधिकार केंद्रों का विस्तारीकरण समस्त विकासखंडों में किया जाएगा जिससे घरेलू हिंसा एवं शासकीय योजनाओं के संबंध में समूहों द्वारा बेहतर कार्य किया जा सके।

स्वत्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रामपाल सिंह परमार द्वारा जय माता प्रिंटर्स, 28, कुम्हारपुरा, चर्च रोड, जिंसी चौराहा, जहांगीराबाद, भोपाल, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 49 वर्धमान ग्रीन एन्क्लेव दामखेड़ा, सागर लैंड मार्क के पास अयोध्या बायपास, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। संपादक रामपाल सिंह परमार। समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार (समस्त न्यायिक मामलों का क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) फोन नं. - 8770932048